केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

ह्रीं श्री

मालवा हेराल्ड

सुविचार

बहुत तेज दिमाग चाहिए गलतियां निकालने के लिए। लेकिन एक सुंदर दिल होना चाहिए गलतियां कबूल करने के लिए...

वर्ष : 17 अंक : 35 | उज्जैन, बुधवार 15 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

प्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति

कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना 2031 तक निरंतर रखने के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। राज्य सरकार ने शहरों के कायाकल्प के लिए नगरीय अधोसंरचना विकास मद में 8 हजार 445 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसके साथ ही कैबिनेट ने किसानों के हित में मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रुपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए कुण्डलिया परियोजना को निरंतर रखने जैसे कई दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णयों पर मुहर लगायी है।

कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना की निरंतरता के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति मंत्रि-परिषद ने राजगढ़ में जल संसाधन विभाग की कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। राजगढ़ जिले में निर्मित यह एक वृहद सिंचाई परियोजना है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य बांध निर्माण कर सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से राजगढ़ और आगर-मालवा जिले के 1,39,600 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करना है।

मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रूपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराए जाने का निर्णय- मंत्रि-परिषद ने रबी वर्ष 2023-24 विपणन वर्ष 2024-25 में भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अन्तर्गत लक्ष्य से अधिक उपार्जित मूंग के लिए 1,587 करोड़ रूपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया है। निर्णय अनुसार पंजाब नेशनल बैंक से ली गई साख सीमा में 19 जुलाई 2026 से 18 जनवरी 2027 तक 6 माह की अवधि के लिए शेष राशि 396 करोड़ रूपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति और भारतीय स्टेट बैंक से ली गई साख सीमा में 3 जुलाई 2026 से 2 जुलाई 2027 तक 1 वर्ष की अवधि के लिए शेष राशि 1,191 करोड़ रूपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराई जायेगी।

टेक-होम राशन के उत्पादन एवं प्रदाय की व्यवस्था महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित किये जाने का निर्णय-मंत्रि-परिषद ने टेक-होम राशन के उत्पादन एवं प्रदाय की व्यवस्था मध्यप्रदेश राज्य आजीविका फोरम से वापस लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग को तत्काल हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया है। तत्कालिक रूप से अन्तरिम व्यवस्था के रूप में स्व सहायता समूह से पूरक पोषण आहार प्रदाय के लिए विभाग को अधिकृत किया गया है। अन्तरिम व्यवस्था तत्काल प्रारंभ किए जाने के साथ ही भारत सरकार के नवीन दिशा निर्देश जारी होने एवं नवीन निर्देश अनुसार व्यवस्था स्थापित होने तक के लिए टेक होम राशन की व्यवस्था, अल्प कालीन निविदा के माध्यम से किए जाने के लिए विभाग को अधिकृत किया गया है। भारत सरकार के नवीन दिशा निर्देश जारी होने के बाद विभाग स्थायी व्यवस्था स्थापित करेगा। मंत्रि-परिषद ने वाणिज्य कर विभाग के तहत पालिका अधिनियम अंतर्गत पंजीयन एवं मुद्रांक शुल्क के अधिभार से प्राप्त राशि का निधि में अंतरण से संबंधित योजना के आगामी 5 वर्षों तक संचालन के लिए 8 हजार 445 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है।

न्यूज ब्रीफ

उच्च शिक्षा के प्रस्तावित विधेयक से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता में सुधार पर संशयः रिपोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। अलग- अलग नियामकों में बिखरी देश की उच्च शिक्षा को एक नियामक के दायरे में लाने के लिए लाए गए केंद्र सरकार के विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक पर संसदीय विधेयक की समीक्षा व शोध करने वाली एक स्वायत्त एजेंसी ने सवाल उठाए है। साथ ही यह संदेह जताया है, कि विधेयक के आने से शायद ही उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता में कोई सुधार आए। एजेंसी का कहना है कि पहले से जिन संस्थानों के पास अधिक स्वायत्तता है, उम्मीद है कि विधेयक आने के बाद उनकी स्वायत्तता में भी कमी दिखे। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने उच्च शिक्षा में सुधार के लिए लाए गए विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक को लेकर किए गए एक अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष दिया है। यह विधेयक वर्ष 2025 में लोकसभा में पेश किया गया था, लेकिन विपक्ष की आपत्तियों के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया था। जो संभवतः मानसून सत्र में अपनी रिपोर्ट देगी। समिति ने इस बीच 17 जुलाई को विधेयक से जुड़े अपने सुझावों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक बुलाई है। हालांकि इस रिपोर्ट ने जेपीसी को विधेयक में उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता जैसे बिंदुओं पर चर्चा का एक और मुद्दा दे दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विधेयक से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता में कोई खास सुधार नहीं होगा। कुछ मामलों में उच्च शिक्षण संस्थानों को पहले से मिली स्वायत्तता वापस ली जा सकती है। इसमें कुछ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों को घटक इकाइयां स्थापित करने के लिए दी गई स्वायत्तता भी शामिल है। रिपोर्ट में विधेयक को प्रोफेशनल कोर्सों के साथ एक जैसा व्यवहार न करने पर सवाल खड़े किए गए है। साथ ही बताया है कि देश में मौजूदा समय में प्रोफेशनल एजुकेशन को 16 प्रोफेशनल काउंसिल संचालित करती हैं। जो प्रोफेशनल प्रैक्टिस के लिए स्टैंडर्ड तय करती हैं और संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए परीक्षाएं आयोजित कराती है। साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए अपने नियम भी तक करती है।

सीमा पार 1000 किलोमीटर दूर तक दुश्मन को तबाह करने की भारत की नई रणनीति क्या है?

नई दिल्ली/ जीएनएस। दुश्मन के घर में घुसकर मारना पुराने भारत की रणनीति थी। आज का नया भारत दुश्मन को संभलने का मौका दिए बिना, उसकी सीमा में कदम रखे बिना ही उसे घुटनों पर लाने का दम रखता है। इसका हालिया उदाहरण आतंकवाद और नापाक पड़ोसी पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर से लिया जा सकता है। भारत के इस सैन्य कार्रवाई ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय उपमहाद्वीप में युद्ध का तरीका अब हमेशा के लिए बदल चुका है। इस बात को समझना ज्यादा मुश्किल नहीं है कि यह नए दौर की नॉन-कॉन्टैक्ट और नॉन-कैनेटिक वॉरफेयर की शुरुआत है। ऐसे में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में अपने सैनिकों को जोखिम में डाले बिना, केवल तकनीक, सटीक ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों के दम पर दुश्मन के हौसले पस्त कर दिए। इसके इतर अब भारत अपनी नई रणनीति कुछ इस प्रकार तैयार कर रहा है, जिससे आधुनिक हथियारों के दम पर सीमा पार 1000 किलोमीटर दूर छिपे दुश्मनों के सैन्य ठिकानों, कमांड सेंटरों और रडार नेटवर्कों को पलक झपकते ही नेस्तनाबूद किया जा सके। ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि अब भारत ने अपनी लड़ाई की परिभाषा को पूरी तरह से बदल की दहलीज पर खड़ा है और संदेश साफ है कि शुरुआत चाहे जो करे, लेकिन अंत भारत अपनी शर्तों पर ही करेगा।

काशी, मथुरा, संभल विवादः सुप्रीम कोर्ट की पहल मंदिर-मस्जिद पक्ष को नामंजूर

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के तीन सबसे बड़े धर्मस्थल विवादों बनारस ज्ञानवापी, मथुरा कृष्ण जन्मस्थान-शाही मस्जिद ईदगाह और संभल जामा मस्जिद विवाद को आपसी सुलह समझौते के जरिए निपटाने की जगी उम्मीद शुरू में ही समाप्त होती दिख रही है।

मंदिर-मस्जिद दोनों पक्षों ने आपसी सुलह समझौते से मध्यस्थता के जरिए विशेष लोक अदालत में इन विवादों को निपटाने की सुप्रीम कोर्ट की पहल अस्वीकार कर दी है। दोनों पक्षों का कहना है कि उनके विवाद विधिवत सुनवाई से अदालत के जरिये निपटाए जाने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट मेगा लोक अदालत समाधान समारोह 2026 आयोजित कर रहा है। इसके तहत 21, 22 और 23 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में विशेष लोक अदालत आयोजित होगी, जिसमें पक्षों द्वारा आपसी सुलह समझौते से केस निपटाए जाएंगे। इन विशेष लोक अदालतों में सुलह समझौते से निपटाए जा सकने वाले मुकदमों की सुप्रीम कोर्ट पहचान करता है और फिर उन्हें विशेष अदालत में निपटाने के लिए पक्षकारों को प्रस्ताव भेजा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी क्रम में बनारस के ज्ञानवापी, मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही मस्जिद ईदगाह और संभल की जामा मस्जिद विवाद को भी समाधान समारोह के तहत लगने वाली विशेष लोक अदालत में सुलह समझौते से सुलझाने के लिए चिह्नित किया था।

सर्वोच्च अदालच ने भेजा था नोटिस- सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में पक्षकारों को नोटिस भेजकर सूचित किया था कि उनके मामलों को भी 21 ,22 और 23 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में निपटाने के लिए उचित पाया गया है और चिह्नित किया गया है।

इसके साथ ही पक्षकारों को एक तय तारीख देकर कहा गया था कि उक्त तारीख पर वे प्रि कंसिलियेशन यानी विशेष लोक अदालत में विवाद निपटाने से पहले आपसी मध्यस्थता और सुलह समझौते से विवाद निपटाने पर बातचीत और सहमति के लिए पेश हों।

जब दैनिक जागरण ने सुप्रीम कोर्ट की इस पहल और प्रस्ताव पर तीनों ही मामलों में मंदिर पक्ष के पक्षकार और वकील हरिशंकर जैन से संपर्क किया और पूछा कि क्या वे विशेष लोक अदालत में विवाद के निपटारे के प्रस्ताव पर सहमत हैं और उसमें हिस्सा लेंगे तो हरिशंकर जैन ने कहा कि उन्हें ये प्रस्ताव अस्वीकार्य हैं और वे लोकअदालत में विवाद निपटारे के लिए भाग लेने नहीं जाएंगे।

इसके बाद दैनिक जागरण ने ज्ञानवापी की अंजुमन इंतजामियां मसाजिद के संयुक्त सचिव एस. एम. यासीन से बात की जिसमें यासीन ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है लेकिन मस्जिद पक्ष को यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं है।

तो यूक्रेन पर हो जाता परमाणु हमला, पीएम मोदी की एंट्री ने कैसे रोका महाविनाश?

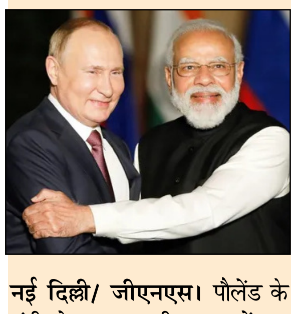

नई दिल्ली/ जीएनएस। पौलेंड के मंत्री ने 2022 की घटनाओं का जिक्र करते हुए दावा किया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने युद्ध के दौरान रूस को टैक्टिकल परमाणु हथियारों का इस्तेमाल न करने में अहम भूमिका निभाई थी।

पौलेंड ने रूस-यूक्रेन युद्ध को और बढ़ने से रोकने की कोशिशों में भारत की भूमिका की तारीफ की है। उप विदेश मंत्री व्लादिस्लाव थियोफिल बार्टोसजेव्स्की ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं में से एक हैं जिसकी बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गंभीरता से सुनते हैं।

उन्होंने 2022 के आखिर की घटनाओं का भी जिक्र किया और दावा किया कि PM मोदी ने युद्ध के दौरान रूस को टैक्टिकल परमाणु हथियारों का इस्तेमाल न करने के लिए मनाने में भूमिका निभाई थी।

समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए बार्टोसजेव्स्की ने कहा कि रूस के साथ भारत के दशकों पुराने रिश्ते नई दिल्ली को एक खास स्थिति देते हैं, जिससे वह शांति की कोशिशों में एक अहम खिलाड़ी बन जाता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के एक बहुत जाने-माने और सम्मानित नेता हैं।

दुबई का फिनटेक एप बना साइबर ठगी के पैसे को ठिकाने लगाने का प्रमुख जरिया, जांच में खुलासा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत में साइबर ठगी से कमाए गए करोड़ों रुपये को ठिकाने लगाने में यूएई का फिनटेक एप पीवाइवाइपीएल प्रमुख जरिया बन गया है। फाइनेंशियल इंटेलीजेंस यूनिट (एफआईयू) द्वारा किये गए विश्लेषण और उसके आधार पर ईडी द्वारा किये गए जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

एफआईयू की आपरेशनल एनालाइसिस रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ तीन महीने (सितंबर से नवंबर 2023) में पीवाइवाइपीएल के सहारे भारतीय डेबिट कार्ड्स का इस्तेमाल कर 641 करोड़ रुपये ठिकाने लगा दिये। पीवाइवाइपीएल ने इन रूपये को क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार एफआईयू के विश्लेषण में बड़े पीवाइवाइपीएल से जुड़े हजारों भारतीय बैंक खातों की जानकारी मिली, जिनका इस्तेमाल साइबर ठगी में किये जाने का संदेह है। इनमें एचडीएफसी के 5599, आइडीएफसी फर्स्ट बैंक के 3168 और इंड्सइंड बैंक के 1434 बैंक खाते शामिल हैं।

आतंकवाद से लड़ाई में भारत के साथ है पोलैंड, उप विदेश मंत्री बोले- अमेरिका-ईरान युद्ध पर भारत का रुख सही

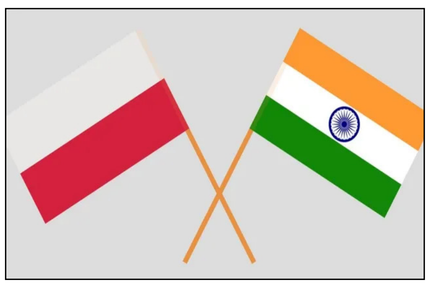

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत की तरह पोलैंड भी आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने की नीति पर चलता है और भारत पर पाकिस्तानी संगठनों के आतंकी हमलों की निंदा करता है। आतंकवाद से लड़ाई में पोलैंड भारत के साथ है। ऐसे ही सरकार द्वारा प्रायोजित आतंकी हमलों को पोलैंड भी झेल रहा है। उसे ऐसे हमले रूस से झेलने पड़ रहे हैं।

यह बात भारत यात्रा पर आए पोलैंड के उप विदेश मंत्री व्लादिस्लाव तियोफिल बार्तोसजेव्स्की ने कही है। अमेरिका और ईरान युद्ध में भारत के रुख को सही बताते हुए पोलैंड के उप विदेश मंत्री ने कहा कि उसे लेकर भारतीय नीति सही है। उन्होंने कहा कि बड़ी अर्थव्यवस्था और बड़ी मात्रा में कच्चे तेल-गैस का आयात करने वाले देश के रूप में भारत का संतुलित रुख उचित है। बार्तोसजेव्स्की ने बताया कि पोलैंड का ईरान से संपर्क बना हुआ है। हमने उसे बातचीत के जरिये समस्या और मतभेद सुलझाने का सुझाव दिया है। यही रुख भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का है। इसलिए पोलैंड और भारत की नीति समान है। पोलैंड के मंत्री ने रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात को भी अनुचित नहीं माना है। जबकि रूस का पिछले चार वर्षों से यूक्रेन के साथ युद्ध चल रहा है। इस युद्ध में पोलैंड यूक्रेन को हर तरह से सहयोग दे रहा है। पोलिश उप विदेश मंत्री ने भारतीय नेताओं और अधिकारियों से मुलाकात के बाद कहा कि उनका देश भारत के साथ कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएगा और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा।

TMC और शिवसेना UBT में टूट के बाद बदल जाएगी सांसदों के बैठने की व्यवस्था

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में मानसून सत्र के दौरान इस बार सदन के भीतर का सियासी नजारा बदला-बदला नजर आएगा क्योंकि तृणमूल कांग्रेस तथा शिवसेना यूबीटी के सांसदों की टूट तथा द्रमुक के विपक्षी इंडी गठबंधन से अलग होने के बाद सांसदों के बैठने की व्यवस्था में बदलाव तय है।

यह लगभग तय है कि सत्र की शुरूआत के साथ ही तृणमूल कांग्रेस से टूटे बागी 20 लोकसभा सांसदों के गुट को नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के तौर पर स्पीकर ओम बिरला की ओर से मान्यता दे दी जाएगी। माना जा रहा कि टीएमसी से टूटे सांसद ममता बनर्जी के विश्वासपात्र रहे सुदीप बंधोपाध्याय को लोकसभा में अपने गुट का नेता चुनेंगे।

एनडीए का समर्थन करने के एनसीपीआई के फैसले को देखते हुए यह भी साफ है कि टीएमसी के इन बागी 20 सांसदों की सदन के भीतर बैठने की सीट भी बदल जाएगी और वे सत्ता पक्ष की बेंच का हिस्सा होंगे। इसी तरह विपक्ष में होते हुए भी द्रमुक के सांसद कांग्रेस सदस्यों से अलग बैठने की अपनी मांग पूरी होने की उम्मीद कर रहे हैं।

टीएमसी का बागी गुट आश्वस्त है कि कानून प्रक्रियाओं की कसौटी पर स्पीकर ओम बिरला की ओर से एनसीपीआई के 20 सांसदों को अलग गुट मानते हुए तृणमूल कांग्रेस से अलग सदन में उनके बैठने की व्यवस्था को मंजूरी प्रदान कर दी जाएगी।

ममता बनर्जी से बगावत करने के तत्काल बाद सुदीप बंधोपाध्याय तथा काकोली घोष दस्तीदार ने त्रिपुरा की अनजान एनसीपीआई में सभी 20 टीएमसी सांसदों के शामिल होने के फैसले की जानकारी सौंपते हुए सदन में अलग गुट के तौर पर मान्यता देने का आग्रह किया था।

तृणमूल कांग्रेस के सदन में नेता अभिषेक बनर्जी ने इसका विरोध करते हुए स्पीकर को अपनी तरफ से दस्तावेज सौंप बागी सांसदों की सदस्यता रद करने का अनुरोध किया था।

सूत्रों के अनुसार टीएमसी की बगावत को लेकर जारी कानूनी लड़ाईयों के बीच इन बागी सांसदों की एनसीपीआई के तौर पर 19 जुलाई को बैठक होगी जिसमें सुदीप बंधोपाध्याय को औपचारिक रूप से इस गुट के संसदीय दल का नेता चुना जाएगा।

शताब्दी रॉय को उपनेता बनाया जाएगा तो सांसदों की बगावत की कमान संभालने वाली तेज तर्रार नेता काकोली घोष दस्तीदार को एनसीपीआई का मुख्य सचेतक चुना जाएगा। सत्र से ठीक पहले संसदीय दल के अपने पदाधिकारियों का चयन कर एनसीपीआई को सदन में आधिकारिक दर्जा दिलाने की प्रक्रिया को बागी गुट पूरा कर लेना चाहता है।

संसदीय इतिहास में वैसे यह दुर्लभ मामला होगा कि पंचायत में भी कोई निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं होने वाली एनसीपीआई के लोकसभा में 20 सांसद होंगे और वह भी पार्टी के आम चुनाव लड़े बिना। पिछले सत्र तक विपक्षी बेंच से आवाज उठाने वाले इन सांसदों को एनडीए के घटक के तौर पर अब मानसून सत्र में सत्ताधारी बेंच की तरफ सदन में सीट आवंटित होगी।

ईडी ने वर्क-फॉम होम घोटाला मामले में कई राज्यों में की छापेमारी, क्रिप्टोकरेंसी और कैश जब्त

नई दिल्ली/ जीएनएस। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में तलाशी अभियान चलाया। यह जांच कथित तौर पर फर्जी आनलाइन निवेश और वर्क-फ्रॉम-होम घोटाले से जुड़ी है। इसमें कई लोगों को ठगा गया था। ये छापेमारी 10-11 जुलाई को तमिलनाडु में 16 जगहों पर, केरल में दो जगहों पर और जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में एक जगह पर मारे गए।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि इस अभियान के दौरान 3.35 करोड़ रुपये की क्रिप्टोकरेंसी और 14.50 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। एजेंसी ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत कई बैंक खातों को फ्रीज किया गया, जिनमें कुल 40 लाख रुपये जमा थे। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला तमिलनाडु पुलिस और तेलंगाना पुलिस द्वारा क्रमशः 2025 और 2022 में दर्ज की गई दो एफआईआर से जुड़ा है। ये एफआईआर फर्जी निवेश और वईडी ने वर्क-फ्रॉम होम घोटाला मामले में कई राज्यों में की छापेमारी, क्रिप्टोकरेंसी और कैश जब्त ईडी ने बताया कि साइबर धोखाधड़ी करने वालों ने लोगों को अच्छे लाभ और कमीशन का झूठा वादा कर पैसे निवेश करने के लिए लुभाया था। शिकायतकर्ताओं ने अलग-अलग बैंक अकाउंट में 14.95 करोड़ रुपये डाले थे। इन पैसों को तुरंत कई म्यूल बैंक अकाउंट और शेल कंपनियों के जरिये इधर-उधर किया गया। बाद में क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया गया।

छात्रों की गूंज अभियान के तहत इंदौर से भोपाल तक युवा स्वाभिमान साइक्लोथॉन शुरू, जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर मध्यप्रदेश कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे 40 दिवसीय 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत मंगलवार को इंदौर से भोपाल तक युवा स्वाभिमान साइक्लोथॉन का शुभारंभ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शिक्षा, रोजगार और युवाओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर साइकिल यात्रा में भाग लिया।

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि लगभग 200 किलोमीटर लंबी यह साइक्लोथॉन इंदौर से भोपाल तक निकाली जा रही है। यात्रा के माध्यम से कांग्रेस ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर छात्र एवं युवा विरोधी नीतियां अपनाने, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक, बढ़ती बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली जैसे मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज कराया। यात्रा 15 जुलाई को भोपाल पहुंचेगी।

यात्रा के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि यह केवल साइकिल यात्रा नहीं, बल्कि युवाओं के सम्मान, शिक्षा और भविष्य को बचाने का आंदोलन है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने युवाओं के सपनों के साथ विश्वासघात किया है और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक होने से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को युवाओं के सवालों का जवाब देना चाहिए।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि केजी से पीजी तक गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा सुनिश्चित की जाए, सभी प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी भर्तियों का वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाए, रिक्त पदों पर समयबद्ध भर्ती हो तथा शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त बनाया जाए। उन्होंने नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग भी दोहराई।

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने बताया कि 40 दिवसीय अभियान की शुरुआत उन 21 विद्यार्थियों की स्मृति में की गई है, जिन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की अनियमितताओं और मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या की थी। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से संविधान संवाद, छात्र जागरूकता और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

यात्रा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) आरएनटी मार्ग से शुरू होकर रीगल चौराहा, हाईकोर्ट चौराहा, लैंटर्न चौराहा, मालवा मिल, पाटनीपुरा, भमोरी, विजय नगर, सत्य साईं चौराहा, देवास नाका, मंगलिया, दकाच्या, क्षिप्रा, देवास, सोनकच्छ होते हुए आष्टा पहुंची, जहां रात्रि विश्राम होगा। इसके बाद यात्रा 15 जुलाई को भोपाल के लिए रवाना होगी। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने साइक्लोथॉन का स्वागत किया।

साइक्लोथॉन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, एआईसीसी राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल, विधायक सचिन यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, पूर्व मंत्री विजयलक्ष्मी साधौ, युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश घंगोरिया, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, छात्र और युवा शामिल हुए।

किसान बंधु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में (खरीफ 2026) अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान बंधु वर्ष 2026 में अल-नीनो के संभावित प्रभाव से अनियमित वर्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें। किसान कल्याण विभाग ने किसान बंधुओं से अपील की है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं। फसल बीमा प्राकृतिक आपदा, सूखा, अतिवृष्टि एवं मौसम के कारण होने वाले अन्य जोखिमों से होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा प्रदान करता है। किसान बंधु अंतिम तिथि का इंतजार न करें, आज ही निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केन्द्र, फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा ऐप एवं अधिकृत बीमा कंपनी के मध्यस्थ के माध्यम से फसल बीमा कराएं।

निरंजनपुर हत्या के प्रयास मामले में फरार आरोपी विकास उर्फ दाऊ गिरफ्तार, 20 से अधिक मामलों का है आरोपी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लसूड़िया थाना क्षेत्र के निरंजनपुर में हुए हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी विकास उर्फ दाऊ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर हत्या के प्रयास, लूट, मारपीट, अवैध वसूली और आर्म्स एक्ट सहित 20 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, फरियादी प्रदीप राजोरे ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 19 जून 2026 की रात करीब 10ः30 बजे पुरानी रंजिश को लेकर लखन खोड़े अपने साथियों के साथ निरंजनपुर स्थित उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर लखन खोड़े ने चाकू से प्रदीप के भाई विकास राजोरे पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसके पेट, पैर, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। इस दौरान लखन के साथियों ने भी फरियादी और घायल के साथ मारपीट की। मामले में लसूड़िया थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौर के मार्गदर्शन में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त पराग सैनी के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए पहले ही आरोपी लखन खोड़े, पीयूष लुढ़ाते और विष्णु उर्फ बॉयलर को गिरफ्तार कर लिया था। घटना के बाद फरार हुए आरोपी विकास उर्फ दाऊ (30) निवासी आईडीए मल्टी, स्कीम नंबर-134, खजराना को 13 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर अपराधी है और उसके खिलाफ इंदौर के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, लूट, मारपीट, अवैध वसूली और आर्म्स एक्ट सहित 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। इस कार्रवाई में थाना लसूड़िया पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध कचरा डंप करने पर पाटीदार पाइप्स कंपनी पर नगर निगम का 50 हजार रुपये का स्पॉट फाइन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने और अवैध रूप से कचरा फेंकने वालों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में अवैध रूप से कचरा डंप करने के मामले में नगर निगम ने पाटीदार पाइप्स कंपनी पर 50 हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया है।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर जोन क्रमांक-16 अंतर्गत सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में पाटीदार पाइप्स कंपनी द्वारा कचरा डंप किए जाने की शिकायत की जांच की गई। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपर आयुक्त प्रखर सिंह के आदेशानुसार सीएसआई इंडस्ट्रियल एरिया सतेंद्र सिंह तोमर एवं सीएसआई जोन-16 मोहित पवार की टीम ने अवंतिका नगर सेक्टर स्थित कंपनी परिसर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कंपनी द्वारा अवैध रूप से कचरा डंप किया जाना प्रमाणित पाए जाने पर नगर निगम ने मौके पर ही 50 हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में गंदगी फैलाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

'द राइजिंग भारत' विषय पर 8 अगस्त को होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी, पोस्टर का हुआ विमोचन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ हिंदू एकेडमिशियन्स (वामा) द्वारा 'द राइजिंग भारत' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 8 अगस्त को डेली कॉलेज, इंदौर में किया जाएगा। संगोष्ठी के पोस्टर का विमोचन बुधवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में किया गया।

संगोष्ठी की जानकारी देते हुए वामा के प्रमुख खगेंद्र भार्गव ने बताया कि यह आयोजन विशेष रूप से पीएचडी शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए किया जा रहा है। इसमें भारतीय अर्थव्यवस्था एवं ग्लोबल मार्केट, भारतीय चिंतन की वर्तमान भूमिका, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता जैसे समसामयिक विषयों पर देश के प्रख्यात शिक्षाविद, चिंतक और विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व न्यायाधीश एवं भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के प्रकाश उईके, भारतीय नौसेना आयुध सेवा के अपर आयुक्त लक्ष्मण सिंह मरकाम, इंग्लिश वीकली के संपादक प्रफुल्ल केतकर, स्वालंबी भारत अभियान के अखिल भारतीय सह-समन्वयक जितेंद्र गुप्त, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी तथा शाश्वत हिंदू गर्जना की सह-संपादक डॉ. नूपुर निखिल देशकर मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखेंगे।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में वामा के मुकेश मौलवा, समाजसेवी डॉ. माला ठाकुर, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर, प्रोफेसर राजीव शर्मा सहित अनेक शिक्षाविद एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी डॉ. वंदना जोशी ने दी।

जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने में प्रदेश की महत्वपूर्ण उपलब्धि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता संरक्षण, संवर्धन और उससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग से प्राप्त लाभों के न्यायसंगत और संतुलित एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग (एबीएस) की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

इंदौर में आठ साल के लंबे इंतजार के बाद भी अधूरे जिला अस्पताल का शुभारंभ करेंगे जनप्रतिनिधि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आठ वर्षों से निर्माणाधीन 300 बिस्तरीय जिला अस्पताल का 17 जुलाई को औपचारिक रूप से शुभारंभ होने वाला है। इसके लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के शामिल होने की संभावना है। लेकिन जिस अस्पताल का वर्षों से मरीज इंतजार कर रहे थे, उसका निर्माण ही अब तक पूरा नहीं हुआ है। जनप्रतिनिधि अधूरे जिला अस्पताल का शुभारंभ करेंगे।

सिर्फ प्रसूति वार्ड का होगा शुभारंभ- अभी अस्पताल में केवल प्रसूति (मेटरनिटी) वार्ड ही शुरू किया जाएगा। यानी हृदय रोग, मेडिसिन, सर्जरी, हड्डी रोग या अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को पहले की तरह दूसरे अस्पतालों का ही रुख करना पड़ेगा। अस्पताल में बिल्डिंग का निर्माण तो अंतिम चरणों में है, लेकिन अभी उपकरण आना बाकी हैं। इन उपकरणों की खरीदी में अभी कई माह लग जाएंगे।

तीन मुख्यमंत्री बदले, लेकिन अस्पताल शुरू नहीं- अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद प्रदेश में तीन मुख्यमंत्री बदल चुके हैं, सरकार बदल चुकी है और इंदौर जिले में लगभग दस कलेक्टर अपनी जिम्मेदारी संभालकर जा चुके हैं। हर दौर में अस्पताल को जल्द शुरू करने के दावे हुए, समय-सीमाएं तय हुईं, लेकिन अभी भी कार्य अधूरा है। अधिकारियों के मुताबिक चरणबद्ध तरीके से अन्य सेवाएं भी शुरू की जाएंगी, लेकिन इसके लिए कोई समय सीमा सामने नहीं आई है।

मरीज कई बार कर चुके शिकायत- बता दें कि इन वर्षों में इंदौर में दर्जनों निजी अस्पताल बनकर तैयार हुए हैं और साथ ही शुरू भी हो गए हैं। इन अस्पतालों को संचालित करने की अनुमति भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा ही दी गई है, लेकिन लापरवाही अधिकारी अपना ही अस्पताल शुरू नहीं करवा पा रहे हैं। इस संबंध में कई बार मरीज शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ता है।

अस्पताल के काम की गति धीमी होने का सबसे ज्यादा खामियाजा पश्चिम क्षेत्र की जनता ही हो रहा है। उन्हें छोटे-मोटे उपचार के लिए भी निजी अस्पतालों का मुंह ताकना पड़ता है। जिला अस्पताल पर नूरानी नगर, चंदन नगर, सिरपुर, बांक, द्वारकापुरी सहित दर्जनों बस्तियों के रहवासी आश्रित हैं। आसपास के दो दर्जन से अधिक गांव के लोग भी यहां इलाज के लिए आते हैं।

1988 से जर्जर बिल्डिंग में चल रहा था अस्पताल- जानकारी अनुसार आठ वर्ष पहले धार रोड पर 100 बेड का यह अस्पताल दुग्ध संघ की पुरानी जर्जर बिल्डिंग में संचालित किया जा रहा था। करीब 20 वर्ष पहले से नई बिल्डिंग के प्रस्ताव भेजे जा रहे थे। कभी 300 तो कभी 100 बेड को लेकर जद्दोजहद चलती रही।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता से सुनीं समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आयोजित हो रही साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बना रही है। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की।

जनसुनवाई में एक भावुक पल उस समय देखने को मिला, जब श्रीमती भावले अपनी तीन नातियों सुश्री सिद्धि भावले, तमन्ना भावले एवं हिमांशी भावले के साथ अपनी समस्या लेकर पहुंचीं। उन्होंने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को बताया कि बच्चियों के माता-पिता का स्वर्गवास हो चुका है, जिसके बाद उनके पालन-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उन पर आ गई है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे बच्चियों की स्कूल फीस जमा नहीं हो पा रही हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उनकी बात गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को बच्चियों की स्कूल फीस माफ कराने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने एवं शासन की पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी निर्देशित किया। प्रशासन की इस संवेदनशील पहल से बच्चियों और उनकी नानी के चेहरे पर मुस्कान लौट आई तथा उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसी प्रकार दिव्यांग बालक मिहिर चौहान अपने पिता श्री लखन चौहान के साथ जनसुनवाई में पहुंचे। श्री लखन चौहान ने बताया कि उनके पुत्र को सुनने में परेशानी होती है और उसके कान में श्रवण यंत्र लगा हुआ है। श्रवण यंत्र की बैटरी समाप्त हो जाने के कारण उसे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण नई बैटरी खरीदने में असमर्थ है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बालक की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल 18 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही बालक के उपचार एवं आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया।

एक अन्य प्रकरण में श्रीमती राखी दुबे अपनी समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में उन्हें वात्सल्य योजना के अंतर्गत सहायता राशि प्राप्त हुई थी, लेकिन पिछले एक वर्ष से उनके बच्चों के खाते में योजना की राशि जमा नहीं हो रही है, जिससे परिवार आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी बड़ी बेटी कक्षा 11वीं में अध्ययनरत है, जबकि छोटा बेटा ऑटिज्म से पीड़ित है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल 24 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित सभी विभागीय अधिकारियों में नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

इंदौर पुलिस के 32 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित, उत्कृष्ट पुलिसिंग और सराहनीय कार्यों के लिए मिला प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेहतर पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में संचालित साप्ताहिक सम्मान कार्यक्रम के तहत मंगलवार को पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने 32 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

पलासिया स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सम्मानित होने वालों में थाना मल्हारगंज, द्वारकापुरी और छत्रीपुरा के 10 पुलिसकर्मी शामिल रहे, जिन्होंने हाल ही में बुजुर्ग महिला से हुई चैन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा छीनी गई सोने की चेन, घटना में प्रयुक्त चाकू और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की थी।

थाना कनाडिया के पुलिसकर्मियों को मोबाइल स्नैचिंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी के मोबाइल बरामद करने के लिए सम्मानित किया गया। वहीं थाना हीरानगर की टीम को एमडी ड्रग्स और अवैध चाकू के साथ तीन आरोपियों की गिरफ्तारी में सराहनीय भूमिका निभाने पर पुरस्कृत किया गया।

थाना रावजी बाजार के निरीक्षक उमेश यादव को थाने में डिजिटल साक्ष्य प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और एसआईडी प्रणाली से जोड़ने के लिए सम्मानित किया गया। थाना चंदन नगर के सहायक उपनिरीक्षक निर्मल कुमार पाटिल तथा भंवरकुआं थाना के आरक्षक अभिषेक राठौर को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत प्री-अप्रूव्ड आईडी जनरेट करने में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान मिला।

अपराध शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों को 36 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा शहर के प्रमुख चौराहों पर बेहतर यातायात प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान किए गए।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने की यह पहल भविष्य में भी जारी रहेगी, जिससे पुलिस बल का मनोबल बढ़ेगा और आम नागरिकों को बेहतर एवं संवेदनशील पुलिसिंग का लाभ मिलेगा।

पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई में पहुंचे 100 आवेदन, शिकायतों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

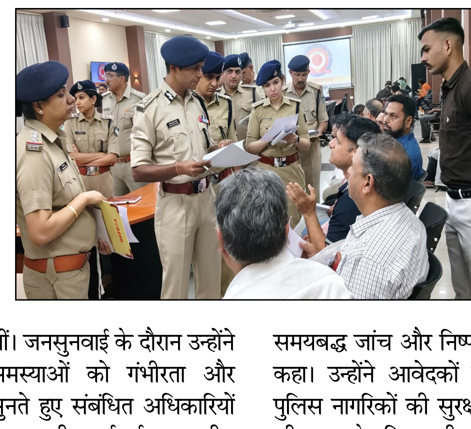

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने आम नागरिकों की शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कुल 100 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद, बेटों द्वारा माता-पिता को प्रताड़ित किए जाने की शिकायतें, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन, प्लॉट, मकान एवं भूमि संबंधी विवाद, अवैध कब्जे, वित्तीय धोखाधड़ी, महिला अपराध, पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं होने संबंधी शिकायतें तथा अन्य पुलिस मामलों से जुड़े आवेदन शामिल रहे।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने अधिकारियों को कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए, जबकि अन्य प्रकरणों में समयबद्ध जांच और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आवेदकों को भरोसा दिलाया कि इंदौर पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, न्याय और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष और त्वरित निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुनकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

पत्रकारिता में सत्यता और कथनी और करनी एक होगी, तभी कलम में आएगी ताकत-बीके उर्मिला

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मंदसौर द्वारा मीडिया कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय आत्म कल्याण भवन एवं मीडिया प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को श्रेष्ठ विश्व के निर्माण हेतु सशक्त मीडिया विषय पर मीडिया सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माउंट आबू से पधारी ब्रह्माकुमारीज की ज्ञानामृत पत्रिका की संपादक बीके उर्मिला दीदी ने कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की सबसे प्रभावी शक्ति है। पत्रकार की कलम ऐसी होनी चाहिए, जिसे पढ़कर लोगों के मन में शांति, विश्वास और सकारात्मक सोच का संचार हो। उन्होंने कहा कि भारत का प्राचीन मंत्र ओम शांति केवल एक शब्द नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म में शांति का संदेश देता है। जब व्यक्ति अपने विचार, व्यवहार और कर्म में शांति को अपनाता है तो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः आने लगते हैं। उन्होंने कहा कि निर्भयता जीवन का मूल गुण है। भयभीत व्यक्ति न स्वयं का जीवन संभाल सकता है और न समाज व राष्ट्र के लिए प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

बीके उर्मिला दीदी ने कहा कि पत्रकारिता में कथनी और करनी का एक होना आवश्यक है। सत्य और ईमानदारी के साथ लिखे गए शब्द समाज में स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं। पत्रकारों को ऐसी सामग्री प्रस्तुत करनी चाहिए, जिसे लोग संभालकर रखें और जो उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बने। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रतिस्पर्धा और व्यावसायिक दबाव है, लेकिन इसके बावजूद समाचारों में संवेदनशीलता, सामाजिक सरोकार और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नकारात्मक घटनाओं की जानकारी देना मीडिया की जिम्मेदारी है, लेकिन उसके साथ समाधान, प्रेरणा और सकारात्मक पहलुओं को भी सामने लाना चाहिए। उन्होंने समाज में बढ़ती हिंसा और महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आत्मचिंतन, चरित्र निर्माण और आध्यात्मिक मूल्यों के बिना स्वस्थ समाज की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति स्वयं को केवल शरीर नहीं, बल्कि आत्मा के रूप में समझता है, तब उसके विचार, दृष्टि और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आता है। मेडिटेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बीके उर्मिला दीदी ने कहा कि ध्यान केवल बुजुर्गों के लिए नहीं, बल्कि हर आयु वर्ग की आवश्यकता है। मेडिटेशन मन को एकाग्र करता है, तनाव कम करता है और कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करना जितना कठिन नहीं है, उससे अधिक कठिन उसे बनाए रखना है और इसके लिए मानसिक शांति तथा आत्मिक शक्ति आवश्यक है। सेमिनार में आत्म कल्याण भवन की संचालिका बीके उषा दीदी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि यदि मीडिया सकारात्मक सोच के साथ अपनी भूमिका निभाए तो वह श्रेष्ठ समाज और विश्व निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, अशोक झलोया, महावीर अग्रवाल, ब्रजेश जोशी, संजय पोरवाल, नरेंद्र अग्रवाल, पुष्पराजसिंह राणा, नरेंद्र धनोतिया, मनीष पुरोहित, चरण राजपाल ने किया। प्रारंभ में स्वागत वरिष्ठ पत्रकार बृजेश जोशी ब्रह्माकुमारी श्याम दीदी, हेमलता दीदी, समेत बीके बहनों ने किया। संचालन श्रीपाल भाई ने किया। इस अवसर पर वन विभाग से रिटायर्ड अफसर भी उपस्थित थे। सेमिनार में बड़ी संख्या में पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दो नाबालिग बालिका को चित्तौड़ से दस्तियाब किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मात्र 24 घंटे के भीतर 02 अपहृत बालिकाओ का पता लगाया जाने में सफलता प्राप्त की है और बालिकाओ को जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान से सुरक्षित दस्तियाब करने में सफलता प्राप्त की है।

घटना के अनुसार दिनांक 13 व 14 जुलाई की मध्य रात्री के समय फरियादी निवासी मंदसौर के द्वारा थाना कोतवाली पर प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख करवाई की उसकी नाबालिक लडकी जिसकी उम्र 17 साल व नाबालिक बहन उम्र 17 साल जो घर के पास खेल रही थी, जो घर पर वापस नही आई। जिन्हे कोई कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया होगा। इस पर तत्काल एक पुलिस टीम सीसीटीवी कैमरे चेक करने मे लगाई गई। सीसीटीवी कैमरे मे उक्त बालिकाओ के ट्रेन में बैठने के संबध मे जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल एक पुलिस टीम रतलाम भेजी गई एवं थाना उज्जैन जीआरपी व इंदौर जीआरपी को बालिकाओ के संबध में सूचना दी जाकर उनके पतारसी के प्रयास किये गये व लगातार प्रयास किये जाने के परिणाम स्वरुप ही बालिकाओ को कोतवाली पुलिस के द्वारा जिला चित्तौड़गढ़ में रेल्वे स्टेशन के स्टॉफ से समन्वय स्थापित कर दस्तियाब करने मे सफलता प्राप्त की है, जिनको बाद वैधानिक कार्यवाही के उनके परिजनो के सुपुर्द किया गया है। उक्त कार्यवाही में कोतवाली निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, उनि शैलेन्द्र सिह कनेश, प्रआर अजय सोलंकी, भगवान दास, शंभुलाल यादव, आरक्षक हरिश यादव, भारत बैरागी, मआर शायर गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही।

हेलीकॉप्टर की माला पहनकर जनसुनवाई में पहुंचा किसान, कलेक्टर से बोला– 'साहब! मुझे हेलीकॉप्टर दिलाओ, खेत पर जाना है.....

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कहते हैं जब सीधे रास्ते बंद हो जाएं, तो इंसान हवाई रास्ता तलाशने लगता है। मध्यप्रदेश के नीमच जिले में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान एक ऐसा ही 'अजब-गजब' और हैरान कर देने वाला वाकया सामने आया, जिसे देखकर खुद कलेक्टर साहब भी चौंक गए।

मध्यप्रदेश के नीमच जिले के पालसोडा निवासी किसान रमेश शर्मा जब गले में रंग-बिरंगे खिलौने वाले हेलीकॉप्टर की माला पहनकर कलेक्ट्रेट पहुंचे, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें फटी की फटी रह गईं।

मामला क्या है? क्यों मांगी हवाई यात्रा की इजाजत- किसान रमेश शर्मा का दर्द और उनका अनोखा विरोध प्रदर्शन सिस्टम की लाचारी को बयां कर रहा है। पीड़ित किसान का आरोप है कि - अब देखना यह होगा कि इस अनोखे और तीखे प्रदर्शन के बाद नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा दबंगों पर क्या कार्रवाई करते है?

थाना दलौदा पुलिस ने एमडी ड्रग्स व डोडाचूरा जब्त किया, एक आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना प्रभारी दलौदा उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डाँगी व उनकी टीम द्वारा एमडी ड्रग्स व डोडाचूरा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

घटना के अनुसार दिनांक 13.07.26 को थाना दलौदा पर पदस्थ सउनि तेजसिंह डामोर व्दारा मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए दलौदा महु नीमच हाईवे रोड, सांवलिया गौशाला के पास, एक व्यक्ति को घेराबंदी कर पकडा। नाम पता पुछते उसने अपना नाम फिरोज पिता अब्दुल रहमान उम्र 22 वर्ष निवासी अभिनंदन कांलोनी पदमावती रिसोर्ट के पास मंदसौर का होना बताया। उक्त व्यक्ति को मुखबिर सुचना से अवगत करवाकर तलाशी लेते उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 20 ग्राम एमडी व उसके पीठ पर टंगे बेग में 02 किलोग्राम पीसा हुआ डोडाचूरा व एक मोबाईल जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना दलौदा पर एक दूसरा प्रकरण पंजीबद्ध पाया गया है। इस सराहनीय कार्य में उनि रविन्द्र प्रताप डाँगी थाना प्रभारी दलौदा. सउनि तेजसिंह डामोर, आर जितेन्द्र त्रिवेदी आर. कमलेश शर्मा आर. युवराजसिंह, आर सुनील की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीवरेज योजना भी भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़ जाए, इसलिए प्रतिमाह औचक निरीक्षण कर इसकी समीक्षा होना चाहिए

सीवरेज योजना को लेकर कांग्रेस विधायक विपिन जैन ने की कलेक्टर से मुलाकात

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर से कांग्रेस विधायक विपिन जैन ने मंदसौर शहर में अमृत योजना 2.0 सीवरेज योजना के प्रभावी क्रियान्वयन किए जाने के संबंध में कलेक्टर अदिति गर्ग से मुलाकात की। जैन द्वारा सीवरेज योजना में रहवासियों को आने वाली दिक्कतों के संबंध में चर्चा की। ज्ञात हो कि मंदसौर शहर में करोड़ों रुपए की लागत से सीवरेज योजना का कार्य प्रगतीरत है, जिसमें आए दिन रहवासियों की शिकायतें प्राप्त हो रही है कि जिन कॉलोनीयो में कच्चे रोडो को खोदकर सीवरेज लाइन डाले जाने के बाद में सड़को को रिपेयर नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण कॉलोनी में बारिश के पानी के कारण कीचड़ और वाहन दुर्घटनाओं की समस्याएं हो रही हैं। ठेकेदार से चर्चा के दौरान इस संबंध में बताया गया

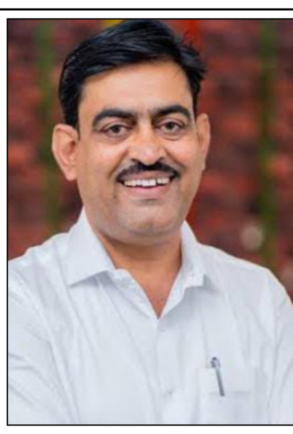

की डीपीआर में कच्चे रोडो को डब्लूबीएम से रिपेयर का कार्य सम्मिलित नहीं है। जिसके कारण परेशानी आ रही है विधायक विपिन जैन के द्वारा मांग की गई है कि रहवासियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आना चाहिए। डीपीआर में जो भी कमियां है, उसे तुरंत शामिल करके पूरा करना चाहिए। जैन ने यह भी बताया कि पूर्व की तरह यह योजना भी भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़ जाए इसलिए समय-समय पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और रहवासियो की उपस्थिति में प्रतिमाह औचक निरीक्षण कर इसकी समीक्षा बैठक आयोजित की जाना चाहिए और गुणवत्ता का भी पूर्ण रूप से ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके अलावा कृषि उपज मंडी दलोदा मंडी प्रशासन के पास भूमि की उपलब्धता कम है। अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है। शासन स्तर से सारी कार्यवाही मंडी प्रशासन द्वारा पूर्ण कर ली गई है। अति शीघ्र दलोदा कृषि उपज मंडी में मूंगफली की खरीदी भी शुरू की जाए।

मंदसौर में पहली बार आईसीएआई का एआई सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित, 49 सीए सदस्यों ने लिया प्रशिक्षण

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए नई तकनीकों को अपनाना समय की आवश्यकता बन गया है–सीए विनय अग्रवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर डिस्ट्रिक्ट ब्रांच ऑफ सीआईआरसी ऑफ आईसीएआई द्वारा 10 से 12 जुलाई तक होटल देव रेजीडेंसी में तीन दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन किया गया। मन्दसौर शाखा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रतिसाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर आए विशेषज्ञ फैकल्टी सीए रिशीर सोनी ने प्रशिक्षण प्रदान किया। द्वितीय दिवस पर सीए आशीष सचदेव ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावसायिक उपयोग एवं आधुनिक तकनीकी उपकरणों पर मार्गदर्शन दिया, जबकि तृतीय एवं अंतिम दिवस पर सीए मेघा धानुका ने प्रतिभागियों को एआई के उन्नत विषयों एवं भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया।

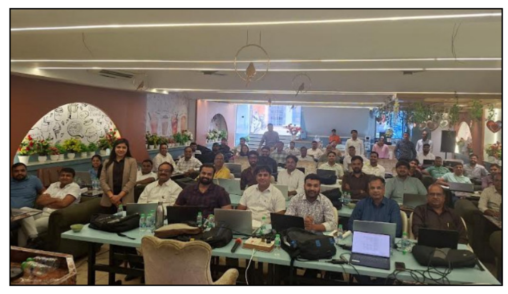

शाखा अध्यक्ष सीए विनय अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान समय में तकनीक तेजी से बदल रही है और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए नई तकनीकों को अपनाना समय की आवश्यकता बन गया है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम सदस्यों को भविष्य की चुनौतियों एवं अवसरों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भविष्य में भी शाखा द्वारा सदस्यों के लिए नवीन एवं उपयोगी विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। सभी फैकल्टी अतिथियों का स्वागत मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य सीए राजेश मण्डवारिया, सीए नीतेश भदादा, सीए रितेश पारिख एवं सीए अर्पित नागर ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीए दिनेश जैन, सीए विकास भंडारी, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल एवं सीए रोहन सोमानी ने सक्रिय भूमिका निभाई। तीन दिवसीय इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में नीमच शाखा के वरिष्ठ सीए एन. पाटीदार, सीए भावेश सिंहल सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता की। साथ ही मंदसौर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, जयपुर, प्रतापगढ़ एवं रतलाम से कुल 49 चार्टर्ड अकाउंटेंट सदस्यों ने भाग लिया। शाखा सचिव सीए अर्पित मेहता ने बताया कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से सीए सदस्यों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं उभरती तकनीकों के व्यावसायिक उपयोगों से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रतिदिन छह घंटे के तकनीकी सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को एआई के विभिन्न व्यावहारिक एवं व्यावसायिक अनुप्रयोगों की जानकारी प्रदान की गई।

वेतन न मिलने से नाराज नीमच के स्वास्थ्य MTS कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन, उग्र आंदोलन की चेतावनी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के विभिन्न शासकीय चिकित्सालयों, सामुदायिक और उप स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत मल्टी टास्किंग स्टाफ कर्मचारियों ने पिछले कई महीनों से वेतन न मिलने के विरोध में सोमवार को मोर्चा खोल दिया। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश प्रसाद को ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही, स्वास्थ्य संचालक के नाम एक अन्य ज्ञापन कलेक्टर कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर चंद्र सिंह धारवे को भी दिया गया।

सीटू के प्रदेश सचिव कामरेड शैलेंद्र सिंह ठाकुर ने मामले की गंभीरता को रेखांकित करते हुए बताया कि जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत स्न्न्नस कर्मचारियों को पिछले चार महीनों से वेतन नहीं मिला है। वेतन के अभाव में इन कर्मचारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और उनके परिवारों का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई व दैनिक जरूरतें पूरी करना बेहद मुश्किल हो गया है।

कर्मचारियों (जिनका प्रतिनिधित्व करते हुए ज्ञापन का वाचन बालकिशन खैर एवं लखन मेघवाल ने किया) ने बताया कि उनकी नियुक्ति 24 जनवरी 2026 को हुई थी। नियुक्ति के बाद से उन्हें केवल दो महीने का ही वेतन मिला है और तब से लगातार वेतन बकाया है। इस संबंध में पहले भी कई बार आला अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

स्न्न्नस कर्मचारियों की प्रमुख मांगें- लंबित वेतन का भुगतानः - सभी स्न्न्नस कर्मचारियों का पिछले चार महीने का बकाया वेतन शीघ्र जारी किया जाए।

नियमितीकरणः - प्रत्येक माह की 10 तारीख तक नियमित रूप से वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

ठेका व्यवस्था में सुधार - आउटसोर्स कंपनियों के बीच चल रही सब-कॉन्ट्रैक्ट व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त किया जाए।

बजट आवंटनः - समय पर पर्याप्त बजट का आवंटन सुनिश्चित किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

प्रदर्शन में ये रहे शामिलः - इस दौरान मनासा, जावद एवं नीमच क्षेत्र से बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से लक्ष्मण सिंह चुंडावत, अनीता सेन, शिवानी राठौर, मेहरूनिशा, कन्हैया रावत, संजू शर्मा, मनोहर नागदा, मधु कुंवर, गोविंद शर्मा, आयुषी पटेल, पूजा सेन, और गोपाल राठौर सहित कई स्न्न्नस कर्मचारी मौजूद थे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी मांगों का निराकरण नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे ।

विधायक प्रतिनिधि डॉ. राणा ने उद्यानिकी कॉलेज जाकर किसान संबंधी योजनाओं की ली जानकारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर विधानसभा के विधायक विपिन जैन द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा को हॉर्टिकल्चर कॉलेज का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त करने के बाद, उन्होंने अपनी प्रथम विजिट पर महाविद्यालय के पूर्व प्रभारी डीन डॉ. जी.पी.एस. राठौर से मुलाकात की एवं वहां उपस्थित अन्य कृषि वैज्ञानिकों से किसान संबंधी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। विभाग द्वारा किसान कल्याण के लिए चलाई जा रही किसान विकास कल्याण संस्था द्वारा किसानों को उन्नत खेती करने की ट्रेनिंग प्रदान की जाती है एवं वहीं से शासन के निर्धारित मापदंड अनुसार खाद व बीज भी उपलब्ध करवाए जाते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पढ़ाए जाने वाले उद्यानिकी से संबंधित कोर्स के बारे में भी श्री राणा ने वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की। यहां स्नातकोत्तर के विद्यार्थी भी कृषि अध्ययन करते हैं, जहां फल, फूल एवं मसाला तथा औषधि संबंधी कोर्सेज करवाए जाते हैं, जिससे युवा कृषि वैज्ञानिक तैयार होते हैं। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में एकमात्र शासकीय उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में स्थित है, जो पूरे प्रदेश में अपनी विशेष गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। यह ग्वालियर विश्वविद्यालय से एफिलिएटेड है। बताया जाता है कि महाविद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को कृषि संबंधित 100 प्रतिशत प्लेसमेंट प्राप्त होता है, जो बच्चों के भविष्य को सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. पी.पी. सिंह एवं केवीके के प्रभारी कृषि वैज्ञानिक डॉ. चुंडावत भी उपस्थित थे।

खाली कट्टे, हाथों में चूड़ियां और कलेक्ट्रेट पर धरना... डीएपी की किल्लत पर किसानों का अनोखा विरोध

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सिंगोली तहसील के किसानों ने मंगलवार को कांग्रेस नेता के नेतृत्व में डीएपी खाद की समस्या को लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय पर अनोखे और शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। किसान नेता पंकज तिवारी के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने हाथों में चूड़ियां, खाली खाद के कट्टे और मांगों से लिखी तख्तियां लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शन के दौरान किसान 4 से 5 घंटे कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे और सिंगोली कृषि उपमंडी में तत्काल मार्कफेड का नगद खाद वितरण केंद्र शुरू करने की मांग उठाई।प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था के चलते सिंगोली क्षेत्र के किसानों को डीएपी खाद लेने के लिए करीब 80 किलोमीटर दूर जावद जाना पड़ता है। पहले ई-टोकन प्राप्त करना और फिर नगद भुगतान कर खाद लेना महिला किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। उनका कहना है कि इस प्रक्रिया में पूरा दिन खर्च हो जाता है, जिससे खेती-किसानी का कार्य प्रभावित होता है और आने-जाने में अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ता है।किसानों ने विशेष रूप से महिला किसानों, छोटे एवं सीमांत कृषकों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इतनी लंबी दूरी तय करना उनके लिए बेहद कठिन है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सिंगोली कृषि उपमंडी अथवा स्थानीय पैक्स समिति में तत्काल मार्कफेड का नगद डीएपी एवं अन्य उर्वरकों का वितरण केंद्र शुरू किया जाए, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके।प्रदर्शन के दौरान किसानों ने हाथों में पहनी चूड़ियों और खाली खाद के कट्टों को अपनी मजबूरी और प्रशासन की उदासीनता का प्रतीक बताया। उनका कहना था कि प्रदेश के अन्य जिलों में मार्कफेड द्वारा स्थानीय स्तर पर नगद खाद वितरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि सिंगोली क्षेत्र के किसानों को इससे वंचित रखा गया है।किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सांवलियाजी मंदिर में वीआईपी एंट्री को लेकर हंगामा, गार्डों से मारपीट कर फाड़े कपड़े, वीआईपी गेट का ताला तोड़कर जबरन घुसे श्रद्धालु

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान चित्तौड़गढ़ जिले के सांवलिया सेठ मंदिर में एंट्री को लेकर हंगामा हो गया। दर्शन करने पहुंचे लोग अमावस्या पर भीड़ होने के कारण VIP गेट से एंट्री करने की मांग पर अड़ गए। वहां तैनात गार्ड्स को गालियां दी और गेट पर लठ मारे। VIP गेट का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और गार्ड्स से मारपीट की और यूनिफॉर्म फाड़ डाली। इसके बाद अन्य सुरक्षाकर्मी भी आ गए। हंगामा मचा रहे 4 लोगों को घेर कर दबोचा और पुलिस को सौंप दिया।

पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामला मंडफिया थाना इलाके का मंगलवार दोपहर का है। मंदिर प्रशासन की ओर से गार्ड प्रहलाद गाडरी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

मंदिर मंडल अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया- हरिजन मोहल्ला स्थित यह एंट्री गेट कर्मचारियों, मंदिर मंडल के पदाधिकारियों और अधिकारियों के आने-जाने के लिए है। हालांकि, ज्यादा भीड़ होने पर श्रद्धालुओं को भी इसी गेट से प्रवेश दिया जाता है। अमावस्या पर सुबह भी कुछ समय तक इसी गेट से श्रद्धालुओं को अंदर भेजा गया था।

बाद में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ देर के लिए एंट्री रोकनी पड़ी। इसी दौरान एक श्रद्धालु अचानक नाराज हो गया और लकड़ी उठाकर गेट पर हमला करने लगा। देखते ही देखते उसके साथ कुछ और लोग भी आ गए और उन्होंने गेट को तोड़ने की कोशिश शुरू कर दी। मंदिर कर्मचारी लगातार उन्हें समझाते रहे, लेकिन वे नहीं माने और माहौल बिगड़ता चला गया।

एक को पीटा, दूसरे गार्ड के कपड़े फाड़े - हजारी दास वैष्णव ने बताया- हंगामा कर रहे लोगों ने गेट को नुकसान पहुंचाने के बाद जबरन मंदिर परिसर में प्रवेश कर लिया। उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे सुरक्षा गार्डों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। इस घटना में एक गार्ड को गंभीर चोट लगी, जबकि दूसरे गार्ड के कपड़े फाड़ दिए गए।

इसके बावजूद मंदिर के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों ने बाकी श्रद्धालुओं के दर्शन प्रभावित नहीं होने दिए और व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। उस समय मंदिर में अमावस्या के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, लेकिन अधिकांश लोग लाइन में शांतिपूर्वक दर्शन कर रहे थे।

चार को पुलिस के हवाले किया- हजारी दास वैष्णव ने बताया कि दूसरे सुरक्षा गार्डों और कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद हंगामा कर रहे चार लोगों को पकड़ लिया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मंडफिया पुलिस मौके पर पहुंची और चारों को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई।

दर्शन करने आएं, व्यवस्था नहीं बिगाड़ें- मंदिर मंडल अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने कहा कि मंदिर प्रशासन हमेशा श्रद्धालुओं की सुविधा और सम्मान का पूरा ध्यान रखता है। कर्मचारियों को भी साफ निर्देश हैं कि सभी के साथ अच्छा व्यवहार करें। लेकिन लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ में व्यवस्था बनाए रखना भी जरूरी होता है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की ऐसी हरकतें न सिर्फ मंदिर की व्यवस्था बिगाड़ती हैं, बल्कि दूसरे श्रद्धालुओं को भी परेशानी होती है। इसलिए सभी श्रद्धालुओं से अपील है कि दर्शन के दौरान धैर्य रखें, कर्मचारियों का सहयोग करें और मंदिर की मर्यादा का पालन करें। ऐसी घटनाओं को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंदसौर विकास प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर शहर क्षेत्र के चहूमुखी विकास को नवीन आयाम देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा मंदसौर विकास प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है। प्राधिकरण के गठन से शहर के मास्टर प्लान तथा विकास योजनाओ को और नए सिरे से गतिमान किया जा सकेगा।

कलेक्टर अदिति गर्ग ने बताया कि विकास प्राधिकरण जैसी वैधानिक संस्थाओं के गठन से शहर या क्षेत्र के नियोजित विकास, आधारभूत संरचनाओं के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य संपादित किए जाते हैं। कलेक्टर ने बताया कि प्राधिकरण के गठन से शहरी क्षेत्र में भूमि के वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक उपयोग को नई दिशा मिल सकेगी। नई आवासीय एवं वाणिज्य योजनाओं का विकास, सड़क, पार्क, जल निकासी, सार्वजनिक सुविधाओं आदि का निर्माण व्यापक स्तर पर होगा। इसके अलावा अनाधिकृत विकास एवं अवैध कॉलोनियों पर नियंत्रण रहेगा। भूमि विकास तथा नगरीय विस्तार का नियमन होगा। प्राधिकरण द्वारा विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए भूमि का प्रबंधन एवं अधिग्रहण भविष्य में हो सकेगा, जिससे नियोजित विकास द्वारा उद्योग व्यापार एवं निजी निवेश आकर्षित होते हैं रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी के साथ-साथ भविष्य की शहरी आबादी एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जा सकेंगी। प्रशासन द्वारा मंदसौर विकास प्राधिकरण के गठन के संबंध में प्रेषित प्रस्ताव में आवश्यक जानकारियां समाहित की गई है। जिसमें मंदसौर का भौगोलिक परिदृश्य निवेश क्षेत्र सहित कृषि व्यापार, यातायात, आवागमन तथा अन्य बिंदुओं पर आवश्यक जानकारी सम्मिलित है।

सम्पादकीय

लॉर्ड्स में लिखा भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम इतिहास

क्रिकेट की दुनिया में यदि किसी मैदान को खेल का तीर्थ कहा जाए, तो वह लॉर्ड्स है। यहां जीत केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि सर्वोच्च गौरव का प्रतीक मानी जाती है। इसी ऐतिहासिक धरती पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऐसा स्वर्णिम इतिहास रचा, जिसने केवल रिकॉर्ड नहीं बदले, बल्कि विश्व क्रिकेट की सोच को भी नई दिशा दी। इंग्लैंड जैसी सशक्त टीम को 270 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि महिला क्रिकेट अब संभावनाओं का नहीं, उत्कृष्टता का पर्याय बन चुका है। यह जीत महज एक टेस्ट मुकाबले की सफलता नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, अथक परिश्रम, अटूट विश्वास और निरंतर साधना का प्रतिफल है। इस ऐतिहासिक क्षण ने करोड़ों भारतीयों के हृदय को गर्व से भर दिया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमिट अध्याय लिख दिया।

शुरुआत से ही भारतीय टीम ने मैच पर अपना वर्चस्व स्थापित कर दिया था। गेंदबाजों ने इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। खासकर भारतीय स्पिन आक्रमण ने अपनी सटीकता और विविधता से मेजबान बल्लेबाजों को पूरी तरह जकड़ लिया। हर विकेट के साथ भारत का आत्मविश्वास बढ़ता गया और इंग्लैंड का प्रतिरोध कमजोर पड़ता गया। बल्लेबाज़ी में स्मृति मंधाना की उपयोगी पारी और यस्तिका भाटिया के शानदार शतक (113) ने मजबूत आधार तैयार किया, जबकि मध्यक्रम की महत्वपूर्ण साझेदारियों (ऋचा घोष की नाबाद 50 रन की पारी सहित) ने बढ़त को निर्णायक बना दिया। बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाया, वहीं गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन से साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब हर विभाग में परिपक्व, संतुलित और किसी भी चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है। जीत को इतिहास में बदलने का क्षण चौथे दिन आया। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी को मात्र 186 रनों पर समेटकर 270 रनों की ऐतिहासिक विजय पर मुहर लगा दी। यह सफलता किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण, सटीक रणनीति और अनुशासित खेल की जीत थी। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई, जो टीम की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी। कप्तान की सूझबूझ, गेंदबाजों का प्रभावी उपयोग, सटीक क्षेत्ररक्षण और शानदार तालमेल ने इंग्लैंड को पूरे मैच में दबाव में रखा। मानसिक दृढ़ता और तकनीकी श्रेष्ठता के बल पर भारतीय टीम हर मोर्चे पर मेजबानों पर भारी रही। इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को उसकी सरज़मीं पर हराने का दम रखती है। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली क्रांति गौड़ के 5/37 (पहली पारी) और स्नेह राणा के 4 विकेट (दूसरी पारी) ने इंग्लैंड को चित किया।

इस जीत का सबसे गौरवपूर्ण पक्ष यह रहा कि भारतीय महिला टीम ने पहली बार लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट जीत का परचम लहराया। भारतीय पुरुष टीम इस मैदान पर कई यादगार सफलताएं हासिल कर चुकी है, लेकिन अब भारतीय शेरनियों ने भी अपने प्रदर्शन से यहां अमिट पहचान बना ली। यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, मेहनत और अर्जित आत्मविश्वास की सशक्त अभिव्यक्ति है। इंग्लैंड की सरज़मीं पर मेजबान टीम को इस अंदाज़ में हराना बताता है कि भारतीय महिला क्रिकेट अब विदेशी परिस्थितियों में भी उतना ही मजबूत और निडर है। इस विजय ने विश्व क्रिकेट को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की महिला टीम अब केवल चुनौती स्वीकार नहीं करती, बल्कि नए मानक गढ़ने के इरादे से मैदान में उतरती है। भारतीय महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि उन संघर्षपूर्ण दिनों की याद भी दिलाती है, जब सीमित संसाधनों, कम अवसरों और उपेक्षा के बीच खिलाड़ियों ने अपने हौसले को जीवित रखा। आज वही संघर्ष विश्व मंच पर सम्मान बनकर चमक रहा है। स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और यस्तिका भाटिया जैसी खिलाड़ियों ने केवल व्यक्तिगत उपलब्धियां ही नहीं, बल्कि टीम भावना से सामूहिक सफलता की नई मिसाल भी कायम की। आपसी विश्वास और एकजुटता ने हर चुनौती को अवसर में बदल दिया। यह जीत उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो छोटे शहरों, गांवों और साधारण मैदानों से भारत की जर्सी पहनने का सपना देखती हैं। भारतीय शेरनियों ने सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा, परिश्रम और अटूट संकल्प के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती।

इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय केवल खिलाड़ियों को नहीं जाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा महिला क्रिकेट को बेहतर सुविधाएं, प्रतियोगिताएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की पहल ने इस बदलाव की मजबूत नींव रखी है। खेलों को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने भी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे रहे हैं। फिर भी यह मंजिल नहीं, बल्कि नई शुरुआत है। आगे विश्व कप, एशिया कप और द्विपक्षीय श्रृंखलाओं जैसी कठिन परीक्षाएं इंतजार कर रही हैं। इसलिए इस जीत को निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन में बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। यदि यही समर्पण, अनुशासन और टीम भावना कायम रही, तो भारतीय महिला क्रिकेट विश्व की अग्रणी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकेगा। लॉर्ड्स की यह जीत भारतीय खेल जगत का ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जिसे समय कभी धूमिल नहीं कर सकेगा। जब भी कोई युवा खिलाड़ी कठिनाइयों से निराश होगा, यह मुकाबला उसे साहस, धैर्य और आत्मविश्वास की नई प्रेरणा देगा। भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि प्रतिभा का मूल्य अवसर से तय होता है, लिंग से नहीं। यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि समान अवसर, महिला सशक्तिकरण और बड़े सपनों की बुलंद उड़ान का प्रतीक है।

शब्दों से परे, अनुभव का विज्ञान- सहजयोग

सहजयोग की संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी का यथार्थ वर्णन शब्दों की सीमा से परे है। विश्व के अनेक देशों के महानगरों से लेकर छोटे-छोटे गाँवों तक लाखों साधकों ने उनके दिव्य आशीर्वाद, गुरुत्व एवं आध्यात्मिक चेतना का अनुभव किया है। श्री माताजी का अवतरण मानव सभ्यता के विकास की उस महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में माना जाता है, जिसने मानव जीवन को उसकी आध्यात्मिक पूर्णता की दिशा प्रदान की। भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को गीता के माध्यम से योग, कर्म और भक्ति का जो दिव्य संदेश दिया था, उसी सनातन ज्ञान को श्री माताजी ने कुंडलिनी जागरण के माध्यम से सहज एवं अनुभवगम्य रूप में प्रत्येक साधक के अंतःकरण में प्रकाशित किया। सहजयोग शब्दों या बौद्धिक तर्क का विषय नहीं, बल्कि आत्मानुभूति का विज्ञान है। शब्द बुद्धि का संवाद है, जबकि परमशक्ति से योग हृदय का समर्पण है, जहाँ शब्दों का कोई स्थान नहीं रहता।

श्री माताजी स्वयं परमशक्ति का स्वरूप हैं। उनका वास्तविक स्वरूप किसी भी व्याख्या की सीमा में नहीं बँध सकता। हम उन्हें कुछ दे नहीं सकते, केवल उनकी असीम कृपा को प्राप्त कर सकते हैं। जिस क्षण साधक पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ उनके श्रीचरणों में स्वयं को अर्पित कर देता है, उसी क्षण उनकी कृपा का अमृत जीवन में बरसने लगता है। श्री माताजी प्रेम और करुणा का अथाह सागर, शक्ति का प्रदीप्त सूर्य, शीतल चैतन्य का चंद्र तथा धैर्य की धरा हैं। उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है; आवश्यकता केवल अटूट विश्वास, पूर्ण समर्पण और निष्कलंक भक्ति की है। श्री माताजी ने अपने दिव्य संदेश में कहा है– हर कदम, हर जगह आपके साथ हम खड़े हैं। कहीं भी आप हों, हर स्थान पर हम आपके साथ हैं– काया, मन और वाचा से पूर्णतया। यह हमारा वचन है कि एक पल भी आपसे दूर नहीं। जिस क्षण आप आँखें बंद करके मुझे स्मरण करेंगे, मैं पूर्ण शक्ति के साथ शंख, चक्र, गदा, पद्म और गरुड़ सहित तत्काल आपके पास उपस्थित हो जाऊँगी। एक क्षण का भी विलंब नहीं होगा, किंतु आवश्यक है कि आप मेरे हों। यदि आप मेरे हैं, तो मैं एक पल में आपके पास आ जाऊँगी। परमात्मा सबको सुखी रखे, सुबुद्धि दे और सन्मति प्रदान करे।

महिला कारोबारियों से ही बढ़ेगा महिला रोजगार, सांख्यिकी विभाग के नए सर्वे में सामने आया सीधा कनेक्शन

अगर यह साबित करने की जरूरत हो कि महिलाओं के स्वामित्व वाले कारोबार और महिलाओं के रोजगार के बीच गहरा सकारात्मक संबंध है तो इसका स्पष्ट प्रमाण राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी जनवरी-दिसंबर 2025 के वार्षिक असंगठित क्षेत्र उद्यम सर्वेक्षण (एएसयूएसई) में मिलता है। भारत के शहरी असंगठित क्षेत्र के आंकड़े बताते हैं कि 10 लाख से अधिक आबादी वाले 46 बड़े शहरों में जहां महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यम अधिक हैं, वहां महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देते हैं।

उदाहरण के लिए, ग्रेटर विशाखापत्तनम में लगभग 31 फीसदी कारोबार महिलाओं के स्वामित्व में हैं और वहां कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी 42.5 फीसदी है। इसी तरह, सूरत में महिलाओं के स्वामित्व वाले कारोबारों की हिस्सेदारी 43.2 फीसदी है, जबकि वहां कुल कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 41.4 फीसदी दर्ज की गई है।

दिलचस्प बात यह है कि बिज़नेस स्टैंडर्ड द्वारा इन विस्तृत आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जिन शहरों की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था विनिर्माण और सेवाओं की जगह मुख्य रूप से व्यापार पर आधारित है, वहां महिलाओं की भागीदारी सबसे कम है। सर्वेक्षण वाले आठ ऐसे शहरों में, जहां व्यापार का वर्चस्व है वहां महिलाओं की कार्यबल में हिस्सेदारी 20 फीसदी से भी कम है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां केवल 16.2 फीसदी व्यवसाय महिलाओं के स्वामित्व में हैं और कार्यबल में उनकी हिस्सेदारी लगभग 13 फीसदी है।

वहीं, श्रीनगर इस सूची में सबसे नीचे है, जहां महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसाय केवल 9.9 फीसदी हैं और कार्यबल में उनकी भागीदारी भी लगभग 10 फीसदी ही है।

सर्वेक्षण के निष्कर्षों से एक स्पष्ट संदेश सामने आता है कि जिस क्षेत्र में महिलाओं का उद्यमिता में योगदान अधिक होगा, वहां महिलाओं के रोजगार के अवसर भी बेहतर होंगे। हालांकि, एएसयूएसई के ये आंकड़े यह संकेत नहीं देते कि देश में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर में कोई बहुत बड़ा या तेज बदलाव आ गया है। इसी प्रकार, भारत के 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले 46 से अधिक शहरों में महिला श्रम बल भागीदारी दर आठ वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने जैसे तथ्य भी यह साबित नहीं करते है कि महिलाओं की रोजगार स्थिति में व्यापक और स्थायी परिवर्तन आ चुका है।

वास्तव में, यदि यह देखा जाए कि वर्ष 2018 में महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर 19.8 फीसदी थी जो बढ़कर 2025 में 27.2 फीसदी हो गई तब यह स्पष्ट होता है कि सुधार के बावजूद महिलाओं और पुरुषों के बीच का अंतर अब भी चिंताजनक रूप से बड़ा बना हुआ है।

यही असमानता औसत मासिक वेतन और आय में भी दिखाई देती है। वेतनभोगी कर्मचारियों के मामले में महिलाओं की औसत मासिक आय, पुरुषों की तुलना में लगभग 7,000 रुपये प्रतिमाह कम है जबकि स्वरोजगार करने वालों के बीच यह अंतर लगभग 17,000 रुपये तक पहुंच जाता है।

हालांकि, असंगठित क्षेत्र में महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों से जुड़े आंकड़े यह संकेत भी देते हैं कि यदि सोच-समझकर और जरूरतों के अनुरूप नीतियां बनाई जाएं तब महिलाओं की व्यावसायिक वित्त तक पहुंच को काफी बेहतर बनाया जा सकता है। इस संदर्भ में भारतीय महिला बैंक का उदाहरण उल्लेखनीय है जो एक अच्छी मंशा के बावजूद सफल नहीं हो सका।

बैंक का संचालन पूरी तरह महिलाओं द्वारा किया जाता था और यह केवल महिलाओं को ही ऋण देता था। लेकिन इसके अधिकांश ऋण ऐसे कारोबार के लिए थे जिन्हें समाज पारंपरिक रूप से महिलाओं के लिए उपयुक्त मानता है, जैसे रसोई का आधुनिकीकरण, स्पा, ब्यूटी पार्लर, डे-केयर सेंटर आदि।

प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार, भारतीय महिला बैंक ने अपने पूरे कार्यकाल में महिलाओं को केवल लगभग 192 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया जबकि भारतीय स्टेट बैंक की महिला-विशेष शाखाओं ने लगभग 46,000 करोड़ रुपये के ऋण दिए। हालांकि, भारतीय महिला बैंक की सबसे बड़ी कमी यह थी कि वह महिलाओं की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप ऋण व्यवस्था के नियम नहीं बना सका। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने में अच्छी सफलता हासिल की है लेकिन महिलाओं के लिए संस्थागत ऋण का दायरा आज भी बहुत सीमित है।

इकनॉमिक ऐंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू) में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, महिलाओं का ऋण-जमा अनुपात केवल 43 फीसदी है जबकि पुरुषों के लिए यह 93 फीसदी है। इतना ही नहीं, अध्ययन में यह भी बताया गया है कि जिन क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं अपेक्षाकृत अधिक विकसित हैं, वहां भी ऋण तक पहुंच के मामले में महिलाओं और पुरुषों के बीच की खाई और अधिक चौड़ी दिखाई देती है। आखिर इसकी वजह क्या है? इसका एक प्रमुख कारण बैंकों की जटिल और कठोर ऋण प्रक्रियाएं हैं जो अनजाने में महिलाओं के विरुद्ध संस्थागत पक्षपात को बढ़ावा देती हैं। भारत में महिलाओं को सामाजिक रूप से अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति का सामना करना पड़ता है। उनके नाम पर भूमि, मकान या अन्य संपत्ति जैसी गिरवी रखने योग्य परिसंपत्तियां कम होती हैं, जिससे उन्हें ऋण लेने में कठिनाई होती है। जनधन योजना जैसी पहल के कारण बड़ी संख्या में महिलाओं के बैंक खाते तो खुले, लेकिन इन खातों पर उनका वास्तविक नियंत्रण अभी भी सीमित है।

–धनंजय राजौरा

'महावीर से महाप्रज्ञ' कार्यक्रम में गूंजा अहिंसा, प्रेक्षाध्यान और मानवता संदेश

नई दिल्ली। आचार्य श्री महाप्रज्ञ के 107वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में महावीर से महाप्रज्ञ विषय पर एक भव्य आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन दक्षिण दिल्ली स्थित पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स में किया गया। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, दिल्ली एवं आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने भगवान महावीर के अहिंसा एवं आत्मसंयम के संदेश तथा आचार्य महाप्रज्ञ के प्रेक्षाध्यान, जीवन-विज्ञान और मानव एकता के दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त प्रयास किया।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री जयकुमार जी (ठाणा-3) ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि भगवान महावीर का अहिंसा का संदेश और आचार्य महाप्रज्ञ का प्रेक्षाध्यान का विज्ञान आज की अशांत दुनिया के लिए अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि आत्मानुशासन, ध्यान और नैतिक मूल्यों को जीवन में उतार ले तो परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों में शांति एवं सद्भाव का वातावरण निर्मित हो सकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा-दिल्ली के सांस्कृतिक प्रभारी श्री जय सिंह दुगड़, श्री ललित श्यामसुखा एवं साथियों द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ को समर्पित प्रेरणादायी गीत प्रज्ञा, महाप्रज्ञ की प्रज्ञा की सामूहिक प्रस्तुति से हुआ। गीत ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत कर दिया।

मुख्य अतिथि श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ का जीवन-दर्शन संपूर्ण मानवता की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि महाप्रज्ञजी के विचार केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अश्विनी उपाध्याय ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि जब तक समाज में नैतिकता, चरित्र और आध्यात्मिक चेतना का विकास नहीं होगा, तब तक सुशासन और सामाजिक समरसता का लक्ष्य अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन-मूल्य नई पीढ़ी को संस्कारित एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने की दिशा में अत्यंत उपयोगी हैं।

समारोह में श्री तेजकरण सुराणा, श्री सुखराज सेठिया, श्री हेमंत पटावरी, श्री बजरंग बोथरा, श्री राजेश जैन, श्री बाबूलाल गोलछा, श्रीमती कविता बरड़िया, श्री प्रदीप खटेर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सुप्रसिद्ध कवि, लेखक, विचारक एवं गायक बाबा सत्यनारायण मौर्य की ओजस्वी प्रस्तुति रही, जिसमें उन्होंने भगवान महावीर और आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन-दर्शन को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अंतरराष्ट्रीय कवि श्री राजेश चेतन ने किया। आयोजन की सफलता में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, दिल्ली के अध्यक्ष श्री बिमल कुमार बैंगानी, महामंत्री श्री प्रदीप संचेती, कार्यक्रम संयोजक श्री इंद्र बैंगानी तथा व्यवस्थाओं एवं समन्वय में श्री राजेश भंडारी की उल्लेखनीय भूमिका रही।

आशाओं पर आकाश टिका है, सपनों के पीछे सार्थक कठोर श्रम ही सफलता श्रेष्ठ प्रतिफल है

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का कथन है भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आज आप क्या करते हैं। वर्तमान का प्रत्येक क्षण भविष्य की नींव रखता है। समय का सदुपयोग और नियमित परिश्रम ही आने वाले कल को उज्ज्वल बनाते हैं। मानव जीवन की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह है आशा। आशा वह अदृश्य ऊर्जा है जो निराशा के घोर अंधकार में भी मनुष्य के भीतर प्रकाश जलाए रखती है। यही आशा मन में सपनों को जन्म देती है और वही सपने मनुष्य को साधारण से असाधारण बनने की प्रेरणा देते हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि केवल सपने देख लेने से मंज़िल नहीं मिलती। सपनों को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्प, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और कठोर श्रम की आवश्यकता होती है। इसीलिए कहा जाता है कि आशाओं पर आकाश टिका है और सपनों के पीछे किया गया सार्थक कठोर श्रम ही सफलता की वास्तविक कुंजी है।

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। संत कबीर। मानव सभ्यता का इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि संसार की प्रत्येक महान उपलब्धि किसी व्यक्ति के मन में जन्मे एक छोटे-से स्वप्न से प्रारंभ हुई। जब उन स्वप्नों को परिश्रम का आधार मिला, तब वे इतिहास बन गए। यदि राइट बंधुओं ने उड़ने का सपना न देखा होता, यदि एडिसन ने अंधकार मिटाने का संकल्प न लिया होता, यदि भारत के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में अपनी पहचान बनाने का सपना न देखा होता, तो मानव प्रगति का स्वरूप आज कुछ और होता।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था- सपने वे नहीं जो आप नींद में देखते हैं, सपने वे हैं जो आपको सोने नहीं देते।

यह कथन बताता है कि वास्तविक सपना वही है जो व्यक्ति के भीतर बेचैनी पैदा करे और उसे निरंतर कर्म करने के लिए प्रेरित करे। डॉ. कलाम स्वयं अत्यंत साधारण परिवार से थे, लेकिन उनकी अटूट लगन, अनुशासन और अथक परिश्रम ने उन्हें मिसाइल मैन और भारत के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद तक पहुँचाया।

स्वामी विवेकानंद का प्रेरक संदेश आज भी करोड़ों युवाओं के लिए जीवन-दर्शन है–

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

यह केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि सफलता का शाश्वत सूत्र है। जीवन में वही व्यक्ति आगे बढ़ता है जो कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनका सामना करता है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं–

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, फल की चिंता में नहीं। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना महाभारत के समय था। जो व्यक्ति बिना परिणाम की चिंता किए पूरी निष्ठा से कर्म करता है, सफलता अंततः उसी के चरण चूमती है।

वर्तमान का प्रत्येक क्षण भविष्य की नींव रखता है। समय का सदुपयोग और नियमित परिश्रम ही आने वाले कल को उज्ज्वल बनाते हैं।विश्व के सफल उद्यमी बिल गेट्स कहते हैं–

धैर्य सफलता का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है।वास्तव में अधीर व्यक्ति मंज़िल से पहले ही थक जाता है, जबकि धैर्यवान व्यक्ति अंततः अपने लक्ष्य तक पहुँच ही जाता है। महान आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने हजारों असफल प्रयोगों के बाद विद्युत बल्ब का सफल आविष्कार किया। उन्होंने कहा था प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानवे प्रतिशत परिश्रम है। यह कथन इस भ्रम को तोड़ देता है कि सफलता केवल प्रतिभाशाली लोगों को मिलती है। वास्तव में सफलता उसी को मिलती है जो लगातार प्रयास करता रहता है।

विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का कहना था- मैं कोई विशेष प्रतिभाशाली नहीं हूँ, मैं केवल समस्याओं के साथ अधिक समय तक बना रहता हूँ।

यह कथन धैर्य और निरंतरता का महत्व स्पष्ट करता है। कठिन समस्याएँ प्रतिभा से नहीं, बल्कि धैर्य और लगातार प्रयास से हल होती हैं।

दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था–

काम तब तक असंभव लगता है, जब तक वह पूरा नहीं हो जाता।

उन्होंने 27 वर्ष जेल में बिताए, लेकिन आशा का दामन नहीं छोड़ा। अंततः वही व्यक्ति रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष का वैश्विक प्रतीक बन गया।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कहा था–

सफलता अंतिम नहीं, असफलता घातक नहीं; आगे बढ़ते रहने का साहस ही सबसे महत्वपूर्ण है।

जीवन में असफलताएँ अंत नहीं होतीं, बल्कि सफलता की सीढ़ियाँ होती हैं।

भारत के महान उद्योगपति जे.आर.डी. टाटा का मानना था कि- उत्कृष्टता संयोग से नहीं आती, बल्कि निरंतर प्रयास का परिणाम होती है।

यही कारण है कि टाटा समूह आज विश्वसनीयता और उत्कृष्टता का पर्याय माना जाता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से अनेक अवसरों पर कहा है कि सपनों को संकल्प बनाइए और संकल्प को पुरुषार्थ से सिद्ध कीजिए। यह संदेश बताता है कि केवल कल्पना नहीं, बल्कि पुरुषार्थ ही सफलता का आधार है।

प्रकृति स्वयं हमें श्रम का संदेश देती है। सूर्य प्रतिदिन बिना रुके उदित होता है, नदी निरंतर बहती रहती है, वृक्ष वर्षों तक धूप, वर्षा और आँधियों को सहकर फल देते हैं। चींटी बार-बार गिरकर भी अपने लक्ष्य तक पहुँच जाती है। प्रकृति का प्रत्येक दृश्य यह सिखाता है कि निरंतर कर्म ही विकास का नियम है।

आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल डिग्री या प्रतिभा पर्याप्त नहीं है। सफलता के लिए ज्ञान के साथ कौशल, अनुशासन, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। जो युवा अपने समय का सम्मान करते हैं, लक्ष्य निर्धारित करते हैं और कठिन परिश्रम से पीछे नहीं हटते, वही भविष्य के निर्माता बनते हैं। इतिहास के पन्ने ऐसे असंख्य उदाहरणों से भरे पड़े हैं, जहाँ साधारण परिस्थितियों में जन्मे लोगों ने अपने परिश्रम से असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कीं। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर भारतीय संविधान के निर्माता बनने का गौरव अर्जित किया। लाल बहादुर शास्त्री ने अभावों के बीच सादगी, ईमानदारी और कर्मठता से देश का नेतृत्व किया। इन महान व्यक्तित्वों का जीवन बताता है कि परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि संकल्प और श्रम व्यक्ति का भविष्य तय करते हैं। सफलता का मार्ग कभी सरल नहीं होता। उसमें संघर्ष है, असफलताएँ हैं, आलोचनाएँ हैं और अनेक बार अकेलापन भी है। किंतु जो व्यक्ति इन सबके बीच अपनी आशा को जीवित रखता है और अपने श्रम पर विश्वास करता है, वही अंततः इतिहास रचता है। असफलता केवल यह संकेत देती है कि अभी प्रयास अधूरा है; वह कभी भी अंतिम निर्णय नहीं होती।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हमारे युवाओं में केवल बड़े सपने देखने की प्रवृत्ति ही न हो, बल्कि उन सपनों को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम करने का साहस भी हो। मोबाइल और सोशल मीडिया के आकर्षण में समय नष्ट करने के बजाय यदि वही समय अध्ययन, कौशल विकास, नवाचार और आत्मविकास में लगाया जाए, तो भारत का भविष्य और भी उज्ज्वल हो सकता है।

यही कहा जा सकता है कि आशा जीवन का प्रकाश है, सपना उसकी दिशा है और परिश्रम उसकी गति। ये तीनों मिलकर ही सफलता का स्वर्णिम अध्याय लिखते हैं। भाग्य अवसर दे सकता है, लेकिन उपलब्धि केवल कर्म देता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को बड़े सपने देखने चाहिए, परंतु उनसे भी बड़ा अपना पुरुषार्थ बनाना चाहिए।।महान कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कहा था–

विश्वास वह पक्षी है जो भोर होने से पहले ही प्रकाश का अनुभव कर लेता है। यही विश्वास आशा को जन्म देता है और आशा से प्रेरित श्रम सफलता का द्वार खोल देता है। हम सब यह संकल्प लें कि जीवन में आशा का दीप कभी बुझने नहीं देंगे, बड़े सपने देखने का साहस बनाए रखेंगे और उन सपनों को अपने परिश्रम, अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण से साकार करेंगे। क्योंकि सफलता किसी चमत्कार का परिणाम नहीं, बल्कि निरंतर श्रम, अटूट विश्वास और अडिग संकल्प का प्रतिफल है। सच ही कहा गया है–आशाओं पर आकाश टिका है और सपनों के पीछे सार्थक कठोर श्रम ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

–संजीव ठाकुर

एक युग का अवसान, एक विरासत का अमरत्व

कुछ व्यक्तित्व केवल अपने जीवनकाल तक सीमित नहीं रहते, वे अपने समय की सांस्कृतिक चेतना बन जाते हैं। उनके जाने के बाद भी उनकी साधना समाज की स्मृतियों, संस्कारों और परंपराओं में जीवित रहती है। राजस्थानी लोकसंगीत, भाषा, साहित्य और संस्कृति के ऐसे ही युगपुरुष थे केसरी चंद (के.सी.) मालू। उनका निधन केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं है, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा के एक स्वर्णिम अध्याय का विराम है। उन्होंने अपने जीवन को जिस निष्ठा, समर्पण और तपस्वी भाव से राजस्थानी अस्मिता के संरक्षण में समर्पित किया, वह उन्हें सामान्य व्यक्तियों की श्रेणी से बहुत ऊपर स्थापित करता है। आज जब बाजारवाद और वैश्वीकरण की तेज आंधी में लोकसंस्कृतियां अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, तब के. सी. मालू जैसे व्यक्तित्वों का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो एक अकेला व्यक्ति भी पूरी सांस्कृतिक धरोहर को विलुप्त होने से बचा सकता है। उन्होंने राजस्थानी लोकधुनों एवं लोकगीतों को केवल संग्रहित नहीं किया, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी की धड़कनों तक पहुंचाया। उन्होंने संस्कृति को संग्रहालय की वस्तु नहीं बनने दिया, बल्कि उसे जनजीवन की सांसों से जोड़ दिया। निश्चित ही वे लोकधुनों के सजग प्रहरी थे, संस्कृतिप्रेमी एवं कला-साधक थे।

संगीत उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि संस्कृति का प्राण था। उन्होंने हजारों लोकगीतों की पांडुलिपियां तैयार करवाई, ध्वनिलिपियां बनवाई, उनकी रिकॉर्डिंग करवाई और उन्हें सुरक्षित रखा। बिना किसी सरकारी सहायता के पांच हजार से अधिक लोकगीतों का संरक्षण अपने आप में विश्वस्तरीय सांस्कृतिक साधना है। यह कार्य किसी संस्थान के लिए भी कठिन माना जाता है, लेकिन उन्होंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया। यही कारण है कि आज राजस्थान की अनेक लोकधुनें, विवाह गीत, मांड, पणिहारी, घूमर, चिरमी और असंख्य लोकगाथाएं सुरक्षित हैं। वीणा म्यूजिक की स्थापना केवल एक व्यावसायिक संस्था की स्थापना नहीं थी, बल्कि यह राजस्थान की आत्मा को स्वर देने का अभियान था। उस दौर में जब लोककलाकार गुमनामी के अंधेरे में खो रहे थे, उन्होंने उन्हें मंच दिया, सम्मान दिया और पहचान दी। अनेक कलाकार, जिनकी प्रतिभा गांवों तक सीमित थी, उनके प्रयासों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचे। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि लोककला किसी क्षेत्र की सीमाओं में कैद नहीं होती, बल्कि वह पूरी मानवता की सांस्कृतिक धरोहर होती है। ऐसा प्रतीत होता है उनके जीवन की हर पात में संगीत की झंकार है। राजस्थानी संस्कृति, संगीत एवं लोकधुनों से जहां-जहां साक्षात्कार होगा, वहां-वहां के.सी. मालू के कदमों के निशान मिलेंगे। उनका मन एवं कर्म सृजनात्मक था।

के.सी. मालू की दृष्टि केवल संगीत तक सीमित नहीं थी। वे राजस्थानी भाषा के भी प्रखर प्रहरी थे। उनका मानना था कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह किसी समाज की आत्मा और उसकी सांस्कृतिक स्मृति होती है। राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, वह उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं अपनी माटी के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने देश और विदेश के अनेक मंचों पर राजस्थानी भाषा की गरिमा और उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचकर भी विनम्र बने रहे। उनके भीतर कलाकार का संवेदनशील हृदय, साहित्यकार की दृष्टि और समाजसेवी की आत्मीयता एक साथ दिखाई देती थी। वे जानते थे कि संस्कृति केवल पुस्तकों या मंचों से जीवित नहीं रहती, बल्कि लोगों के जीवन में उतरने से जीवित रहती है। इसलिए उन्होंने लोकसंगीत को गांवों से निकालकर शहरों तक और भारत से निकालकर विश्वभर के राजस्थानी समाज तक पहुंचाया। वर्ष 1987 में अकाल पीड़ितों की सहायता के लिए लता मंगेशकर नाइट का आयोजन कर एक करोड़ रुपये की सहायता राशि जुटाना उनके सामाजिक दायित्वबोध का अद्भुत उदाहरण है। यह बताता है कि उनके लिए संगीत केवल कला नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम भी था। उन्होंने अपने संसाधनों और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित के लिए किया। आज जब कला का बड़ा हिस्सा केवल व्यवसाय बनता जा रहा है, तब के.सी. मालू का जीवन यह संदेश देता है कि कला का सर्वोच्च उद्देश्य समाज को समृद्ध बनाना है। उनके द्वारा संकलित 221 राजस्थानी विवाह गीतों का विशाल संग्रह विश्व में अपनी तरह का अनूठा उदाहरण है। यह केवल गीतों का संग्रह नहीं, बल्कि राजस्थान की सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संस्कारों और सांस्कृतिक स्मृतियों का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने यह समझ लिया था कि यदि लोकगीत बचेंगे तो लोकजीवन भी बचेगा। इसलिए उन्होंने संगीत के माध्यम से संस्कृति की रक्षा का महान कार्य किया। मेरा उनसे संबंध केवल एक प्रशंसक का नहीं था, बल्कि आत्मीयता का था। मेरे पूज्य पिताजी स्व. श्री रामस्वरूप जी गर्ग जब भी जयपुर जाते थे, तो के.सी. मालू जी से अवश्य मिलते थे। दोनों के बीच साहित्य, संस्कृति, जैन दर्शन और समाज के विविध विषयों पर लंबी चर्चाएं होती थीं। उन चर्चाओं का उल्लेख मैं बचपन से सुनता आया हूं। उन संवादों में केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता था, बल्कि संस्कृति के भविष्य की चिंता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव भी दिखाई देता था। बाद में मुझे भी उनसे मिलने और उनके स्नेह का लाभ लेने का अवसर मिला। उनकी सहजता, आत्मीयता और विचारों की गहराई आज भी स्मृतियों में ताजा है। वे जब भी राजस्थान की संस्कृति की बात करते थे, उनके शब्दों में केवल जानकारी नहीं होती थी, बल्कि मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम झलकता था। वे मानते थे कि अपनी जड़ों से जुड़ा समाज ही भविष्य का निर्माण कर सकता है। शायद यही कारण था कि उन्होंने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए भी परंपरा को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने डिजिटल माध्यमों पर भी राजस्थानी संगीत को स्थापित किया, जिससे दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाला राजस्थानी अपनी मिट्टी की सुगंध को महसूस कर सके।

आप एक सेतु बन सकते हैं खूबसूरत, जिन्दगी बांचने वाला एवं संस्कृति-संरक्षण करने वाला पुल। हम एक साथ मिलकर जीवन को संस्कृतिमय बना सकते हैं, जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर कर सकते हैं, अंधेरों के बीच रोशनी बन सकते हैं। इसी सोच के साथ 'वीणा' के संस्थापक के. सी. मालू का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महानता पद, सत्ता या संपत्ति से नहीं आती, बल्कि उस विरासत से आती है जो व्यक्ति समाज को देकर जाता है।

– ललित गर्ग

जर्जर भवनों को तोडने के आयुक्त ने दिए निर्देश

समयावधि पत्रों का समय सीमा मे करें निराकरण – आयुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समयावधि पत्र एवं सीएम हेल्प लाईन को लेकर प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए आयुक्त दलीप कुमार ने सभी विभागीय अधिकारियो के साथ किये गये निराकरणों की जानकारी ली। पीएम स्वनिधि योजनाअन्तर्गत हितग्राहियों को योजना का लाभ मिले इस हेतु अधिक से अधिक आवेदन करवाने के निर्देश दिए तथा ऋण हेतु प्राप्त आवेदनों के लिए बैंको से समन्वय कर ऋण आवेदनों को स्वीकृत कराने हेतु संबंधितों को कहा। संबल योजना के लंबित आवेदनों का समय सीमा मे निराकरण करें तथा ईकेवाईसी मे प्रगति लायें।

अमृत हरित अभियान के अन्तर्गत किये गये पौधारोपण के साथ निरंतर पौधारोपण का कार्य करें। सिटी फारेस्ट में किये जाने वाले बाउंड्री के कार्यो की जानकारी ली तथा सुधार के लिए इस्टीमेंट तैयार किये जाने हेतु उद्यान विभाग प्रभारी जगदीश वर्मा को कहा।

आयुक्त नें जर्जर भवनों को लेकर सभी उपयंत्रियों से वार्डवार जानकारी ली जिसमें ऐसे जर्जर भवन जिनको सूचना पत्र देने के बाद भी भवन स्वामी ना तो अपना जर्जर भवन तोड रहे ना ही सुधार कर रहे हैं ऐसे भवनों को तोडने की कार्रवाई करने के निर्देश उपयंत्रियों को दिए।

अलंकार मार्केट की बिल्डींग का जो जर्जर हिस्सा है उसका तत्काल निरीक्षण कर समय सीमा निर्धारित करें, व्यवसायकों को सुधार के लिए सूचना पत्र दें तत्पश्चात सुधार कार्य नही होने पर दुकाने सील करने के निर्देश दिए।

स्कुल एवं कॉलेजों के आसपास सिगरेट, पान गुटखा की दुकानों को हटाये तथा स्कुल एवं कॉलेजों के आसपास स्थाई दुकानों पर इस प्रकार की सामग्री पाये जाने पर सामग्री जप्त कर चालानी कार्रवाई करने हेतु कहा।

अवैध से वैध नल कनेक्शनों की जानकारी ली तथा वैध करने की कार्रवाई मे प्रगति नही होने पर आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सहायक यंत्री जगदीश वर्मा, दिनेश चौहान एवं जाकिर अली को सूचना पत्र देने के साथ ही सभी उपयंत्रियों को चेतावनी देते हुए सिवरेज कनेक्शन, अवैध से वैध नल कनेक्शन, जिन वार्डो में अमृत 2.0 योजना अन्तर्गत डाली गई नवीन पानी की पाईप लाईन से नल कनेक्शनों मे प्रगति लाने हेतु कहा। विद्युत विभाग से संबंधित अधिकारियों को बडे पम्प तथा सीवरेज प्लांट के पम्पों की दक्षता को चेक करने हेतु कहा।

सांसद एवं विधायक निधि से किये जाने वाले कार्यो की प्रगति रिपोर्ट ली तथा किये जाने वाले कार्यो की कार्रवाई प्रचलन मे लाने के निर्देश सहायक यंत्री सोरभ त्रिपाठी को दिए। आयुक्त ने समयावधि पत्रों एवं सीएम हेल्प लाईन की प्राप्त शिकायतों का समय सीमा मे निराकरण करने के निर्देश दिए।

सालमखेड़ी में 335 पाव अवैध देशी शराब जब्त, आबकारी विभाग की कार्रवाई

जगदीश मालवीय के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज, 25,460 रुपये की मदिरा बरामद

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, विक्रय और परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है।

इसी क्रम में 13 जुलाई को आबकारी विभाग की टीम ने वृत्त टोंकखुर्द अंतर्गत ग्राम सालमखेड़ी में मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर अवैध रूप से संग्रहित 335 पाव प्लेन देशी मदिरा (60.3 बल्क लीटर) बरामद की। जब्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य 25,460 रुपये बताया गया है।

मामले में आरोपी जगदीश मालवीय के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक कैलाश जामोद, मुख्य आरक्षक गोविंद बड़ावदिया तथा आबकारी आरक्षक सनत ओझा की टीम ने की। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जिला न्यायालय शाजापुर में 17 जुलाई को लगेगा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर के तत्वावधान में ÷आनंदम नेत्रालय, शाजापुर÷ के सहयोग से 17 जुलाई 2026 को प्रातः 10ः30 बजे से जिला न्यायालय परिसर शाजापुर में एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर अध्यक्ष श्री आनंद कुमार तिवारी के मुख्य आतिथ्य तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर सचिव श्रीमती नमिता बौरासी के मार्गदर्शन में किया जायेगा। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण, दृष्टि जांच, चश्मे के नंबर की जांच, सामान्य नेत्र रोगों की जांच तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र में कंपनी का केमिकल युक्त पानी मिल रहा नागधम्मन नदी में, आमजन के स्वास्थ्य साथ खिलवाड़ है

दूषित केमिकल युक्त पानी का नदी में मिलना मानव जीवन के लिए घातक है- प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सिंह ठाकुर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। औद्योगिक क्षेत्र का केमिकल युक्त दूषित पानी नागधम्मन नदी में मिलने का मामला बहुचर्चित और सुर्खियों में रहा है। नागधाम्मन नदी में केमिकलयुक्त दूषित पानी मिलने का सिलसिला अब तक थम नहीं है निरंतर जारी है। लेकिन मानव जीवन के स्वास्थ्य पर इस पानी से पडने वाले दुष्प्रभाव को लेकर अब तक कोई हलचल दिखाई नहीं दे रही है। ऐसा नहीं है कि इसकी खबर जिम्मेदारों को नहीं है।

लेकिन जानकार भी वर्षो से अंजान बने हुए हैं। जब -जब भी इस समस्या को लेकर मामले उजागर हुए तब-तब जिम्मेदारों ने सिर्फ इसकी समस्या का निराकरण और जांच का आश्वासन ही दिया है। लेकिन आमजन के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी इस गंभीर समस्या का आज तक कोई स्थाई निराकरण नहीं किया गया । आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सिंह ठाकुर के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारीयों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण कर समस्याओं को जाना गया। श्री ठाकुर ने बताया कि केमिकल युक्त दूषित पानी का नदी में मिलना मानव जीवन के लिए घातक है। औद्योगिक क्षेत्र में कंपनी का केमिकल युक्त पानी नागधम्मन नदी में मिल रहा है। जो मानव जीवन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। श्री ठाकुर ने कहा कि भ्रमण के दौरान देखा गया कि राजीव नगर वार्ड क्रमांक 44 सनफार्मा रेनबैक्सी के पिछे नागधामन नदी में एक कंपनी का गंदा केमिकल युक्त दूषित पानी मिल रहा है। दूषित पानी शिप्रा नदी में मिलने की आशंका जाहिर करते हुए कहा कि अगर यह पानी शिप्रा नदी में मिला तो गंभीर जनहानि हो सकती है। उन्होंने जिम्मेदारों से समय रहते केमिकल युक्त दूषित पानी को नदी में मिलने से रोके वरना गंभीर परिणाम हो सकते हैं। श्री ठाकुर ने प्रशासन को आगाह करते हुए कहा कि कुछ महीनों पहले भागीरथपुरा इंदौर में जो जनहानि हुई दूषित पानी से उसकी पुनरावृत्ति देवास में ना हो। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सिह ठाकुर, जिला अध्यक्ष डॉ आर पी झाला, प्रदेश सह सचिव अल्पसंख्यक विंग जाकिर खान, सादिक बासीर शेख़, हुसैन शेख प्रदेश प्रवक्ता रविंद उपाध्याय, संतोष लोहाना, हुसैन शेख कन्हैया लाल दांगी आदि उपस्थित थे। यह जानकारी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सलमान सदर ने दी।

जनसुनवाई में पहुंचे आमजन के आवेदन, अपर कलेक्टर संजीव जैन ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर संजीव जैन ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर विशाखा देशमुख सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में नेवरी निवासी सीमाबाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। वहीं गंधर्वपुरी निवासी राधेश्याम ने भूमि सीमांकन कराने तथा सुकल्या निवासी विजय कलेसरिया ने डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन दिया। सभी मामलों में अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, भूमि सीमांकन, बिजली बिल में सुधार, बीपीएल सूची में नाम जोड़ने, नामांकन, बंटवारा, रास्ते से अतिक्रमण हटाने, नालियों की सफाई सहित विभिन्न समस्याओं से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर ने सभी आवेदनों की जांच कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुपालकों की आय में वृद्धि, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा 13 जुलाई 2026 से 18 जुलाई 2026 तक ÷दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान÷ संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान विभागीय अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी एवं मैत्री गौसेवक जिले के पशुपालकों के घर-घर जाकर उनसे प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित करेंगे। इस दौरान पशुपालकों को नस्ल सुधार, संतुलित पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान तथा सेक्स-सॉर्टेड सीमेन के उपयोग एवं उससे होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डॉ. प्रशांत महाडिक ने बताया कि अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से तीन से चार गौवंश एवं भैंसवंशीय पशु रखने वाले पशुपालकों के घर प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा जाकर मार्गदर्शन एवं आवश्यक तकनीकी सलाह दी जाएगी। उन्होंने बताया कि दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का यह तृतीय चरण है, जिसकी अवधि 6 दिवस निर्धारित की गई है। आवश्यकता पड़ने पर अभियान की अवधि को अधिकतम 9 दिवस तक बढ़ाया जा सकता है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा देकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना तथा पशुपालकों को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हैं।

दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान 14 जुलाई से 31 अगस्त तक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व वर्षों की भांति भारत शासन द्वारा इस वर्ष भी 14 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान चलाया जा रहा है। बाल मृत्यु में कमी लाई जाना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। पांच वर्ष से कम आयु संवर्ग में दस्तरोग बाल मृत्यु का प्रमुख कारण है। गर्मी एवं मानसून के मौसम में दस्तरोग में वृद्धि होती है। जिले को इस अभियान में 1,03,225 बच्चों को उपचार करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ हैं। आज सम्पूर्ण जिले में विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा एवं जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अभियान का विधिवत शुभारम्भ किया गया। उक्त अभियान के तहत निश्चित कार्ययोजना अनुसार स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा घर-घर दस्तक देकर 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। जिसमें 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को 2 पैकेट ओ. आर. एस एवं 14 गोली जिंक की प्रदायगी, दस्त रोग की पहचान कर स्वास्थ्य संस्था हेतु बच्चे को रेफर करना, दस्त, बाल्यकालीन बीमारियों व गंभीर कुपोषण की पहचान कर उपचार और रेफर करना, 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए का अनुपूरण सुनिश्चित करना, 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आई. एफ. ए. सिरप की प्रदायगी एंव परामर्श सुनिश्चित करना, गतिविधियां संचालित की जायेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. भूदेव मेहता ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का उपरोक्तानुसार स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर अभियान को सफल बनायें।

सेक्टर गुलाना में सेक्टर स्तरीय बैठक एवं पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकासखंड मोहन बड़ोदिया के सेक्टर गुलाना में सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला समन्वयक के मार्गदर्शन में सभी ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में आगामी माह की कार्ययोजना तैयार की गई तथा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत प्रत्येक समिति द्वारा उपयुक्त स्थान का चिन्हांकन कर वाटिका विकसित करने पर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

अमलतास हॉस्पिटल, देवास ने हार्ट अटैक मरीजों के उपचार में अंतरराष्ट्रीय मानक हासिल करने की और बड़े कदम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज, देवास ने हार्ट अटैक के मरीजों के उपचार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए Door-to-Balloon (D2B) Time 90 मिनट (अस्पताल में प्रवेश से लेकर बैलून एंजियोप्लास्टी शुरू होने तक का समय) लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया है।

भारत के एक तृतीयक (सुपर स्पेशियलिटी) अस्पताल अमलतास हॉस्पिटल, देवास (म.प्र.) के मेडिसिन विभाग में हार्ट अटैक के मरीजों के लिए अस्पताल पहुंचने से लेकर एंजियोप्लास्टी (बैलून) शुरू होने तक के समय को Door-to-Balloon Time कहा जाता है। अंतरराष्ट्रीय अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी ACC / अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन एवं यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी दिशानिर्देशों के अनुसार यह समय 90 मिनट या उससे कम होना चाहिए, जिससे हृदय की मांसपेशियों को अधिकतम सुरक्षित रखा जा सके, मृत्यु दर कम हो तथा मरीज के स्वस्थ होने की संभावना बढ़ सके।

अमलतास हॉस्पिटल में मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, कैथ लैब, क्रिटिकल केयर तथा नर्सिंग टीम के समन्वित प्रयासों से यह उपलब्धि संभव हो सकी। अस्पताल में लागू त्वरित स्ञ्श्चस्ठ्ठ प्रोटोकॉल, 24म7 कैथ लैब सुविधा, समय पर श्चष्टत्र, शीघ्र निदान, तत्काल कार्डियोलॉजी टीम की सक्रियता तथा बिना विलंब प्राथमिक एंजियोप्लास्टी की व्यवस्था ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह उपलब्धि अमलतास हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज, देवास को मध्य प्रदेश में उन्नत हृदय आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने वाले प्रमुख तृतीयक चिकित्सा केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। इसी उपलब्धि का एक हालिया उदाहरण कल देखने को मिला जब 55 वर्षीय श्री चंदर, निवासी ग्राम नरवर, जिला उज्जैन, सीने में तेज एवं विशिष्ट दर्द की शिकायत के साथ अमलतास हॉस्पिटल पहुंचे।

मेडिसिन विभाग में डॉ. अफज़ल पटेल द्वारा मरीज का तत्काल मूल्यांकन किया गया। नैदानिक परीक्षण एवं ईसीजी के आधार पर तीव्र हृदयाघात का शीघ्र निदान किया गया। इसके तुरंत बाद कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आशीष मिश्रा को सूचित किया गया और मरीज को बिना अनावश्यक विलंब कैथ लैब में ले जाया गया।

कैथ लैब में कोरोनरी एंजियोग्राफी के बाद आवश्यकतानुसार प्राइमरी एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई, जिससे अवरुद्ध कोरोनरी धमनी में रक्त प्रवाह शीघ्र बहाल किया गया। समयबद्ध उपचार के कारण मरीज की स्थिति में सुधार हुआ और उसे आगे की निगरानी एवं उपचार के लिए कार्डियक केयर यूनिट में स्थानांतरित किया गया।

कुल मिलाकर, जिन मरीजों की अस्पताल पहुँचने के 90 मिनट के भीतर एंजियोप्लास्टी की गई, उनमें बेहतर परिणाम देखे गए। इसके विपरीत, जिन मरीजों का उपचार शुरू होने से पहले अस्पताल में तीन घंटे से अधिक समय तक इंतज़ार करना पड़ा, उनमें अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान मृत्यु दर बढ़कर 7.4त्न हो गई। अस्पताल पहुँचने के 90 मिनट के भीतर की गई प्राथमिक एंजियोप्लास्टी से, उपचार में 3 घंटे से अधिक की देरी होने की तुलना में अस्पताल में भर्ती के दौरान मृत्यु का जोखिम लगभग 59त्न तक कम पाया गया। अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की यह उपलब्धि मरीजों को विश्वस्तरीय एवं समयबद्ध हृदय उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान का उद्देश्य भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आपातकालीन हृदय सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करना तथा प्रत्येक स्ञ्श्चस्ठ्ठ मरीज को यथाशीघ्र जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराना है।

जिला कोषालय में 16-17 जुलाई को लगेगा तकनीकी समाधान शिविर, विभागीय समस्याओं का होगा मौके पर निराकरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विभागों में आईएफएमआईएस से जुड़ी तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला कोषालय देवास में 16 एवं 17 जुलाई को आईएफएमआईएस केयर्स के तहत विशेष तकनीकी समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा।कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जिले के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने कार्यालयों में लंबित तकनीकी समस्याओं का विवरण निर्धारित प्रपत्र में जिला कोषालय में पंजीकृत कराएं तथा शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर उनका निराकरण सुनिश्चित करें। जिला कोषालय अधिकारी निरुपमा पालीवाल ने बताया कि विभिन्न विभाग वित्तीय लेनदेन के लिए आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं। कार्य के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं का समाधान सामान्यतः एसडी व्यवस्था अथवा पत्राचार के माध्यम से किया जाता है, जिससे समय अधिक लग सकता है। इन्हीं समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जिला कोषालय में दो दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है, जहां संबंधित अधिकारियों को मौके पर तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

जनसुनवाई में 147 आवेदन प्राप्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत आज संपन्न हुई जनसुनवाई में 147 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई जिला पंचायत सीईओ सुश्री मनीषा वास्कले ने की। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री आलोक वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

विपरीत परिस्थिति में कृषको के लिए उपयोगी सलाह

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान परिस्थिति में किसान भाइयो ने खरीफ की बोनी कर चुके है लेकिन पानी की लंबी खींच के कारण सोयाबीन फसल में पानी की कमी महसूस हो रही हैं। केन्द्र के वैज्ञानिको डॉ.एस.एस.धाकड, डॉ. गायत्री रावल डॉ. डी.के.तिवारी एवं डॉ.मुकेश सिंह ने खेतों पर भ्रमण के बाद किसान भाईयों को ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए कुछ उपयोगी सलाह दी हैं।

1. कुंए या अन्य कि सिंचाई का साधन उपलब्ध होने पर हल्की सिंचाई मिनी स्प्रिंकलर से करें।

2. कृषक भाई वर्षा जल को रिचार्ज करने हेतु कुआं रिचार्ज, नलकूप रिचार्ज या खेत में जलनिकास नाली के जल वर्षा जल बहाव की दिषा में भूजल संवर्धन संरचना बनाए जिससे वर्षा जल रिचार्ज हो सकें।

3. सोयाबीन 15 दिनों से ज्यादा की हो चुकी है ऐसे किसान भाई खेतो में ट्रेक्टर चालित/बैल चालित /हस्त चालित डोरा चलाकर नमी संरक्षित करें।

4. वर्तमान समय को देखते हुए सोयाबीन की फसल में तना मक्खी कीट लगने की आशंका है इसके नियंत्रण हेतु खेतो की निगरानी रखे और तना मक्खी का प्रकोप होने पर इमिडाक्लोप्रिड दवा 125 एम् एल/हेक्टर या थायो मेथोक्साम दवा 350 एम् एल/हेक्टर 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

5. खरपतवारनाषी एवं कीटनाशी को साथ में मिलाकर छिड़काव बिल्कुल न करें।

6. बौवनी के 15-20 दिन बाद खेतो मे पर्याप्त नमी होने पर खरपतवारनाशी का छिड़काव कर सकते हैं।

7. खरपतवारनाशी का प्रयोग कट नोजल/फ्लेटपेन नोजल एवं कीटनाशी का कोन नोजल से छिड़काव हेतु प्रयोग करें।

8. दवा छिड़कते समय बीडी/जर्दा या अन्य वस्तुऐं न खाऐं।

9. खरपतवारनाशी एवं कीटनाशी दवा खरीदते समय पक्का बिल जरूर लें।

10. दवा छिड़कते समय स्प्रेयर को पानी से धोकर अच्छी तरह साफ करें।

11. दवा का छिड़काव हमेशा हवा की दिशा में ही करें ताकि दवा की बूंदे शरीर पर न पड़े।

12. दवा छिड़कते समय हॉथ में दस्ताने, आँख में चश्मा पहने एवं नाक को कपड़े से ढंककर रखें।

सेक्टर स्तरीय बैठक एवं पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के अंतर्गत शाजापुर जिले के विकासखंड मोहन बड़ोदिया के सेक्टर सलसलाई में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, ग्राम मदाना द्वारा सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिला समन्वयक श्री विष्णु प्रसाद नागर, ब्लॉक समन्वयक श्री मुकेश सोलंकी, नवांकुर संस्था के अध्यक्ष श्री रामराज पुरबिया सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों मदाना, तिगंजपुर एवं खामखेड़ा के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में ब्लॉक समन्वयक श्री मुकेश सोलंकी ने ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण एवं उनके संरक्षण का आह्वान किया। साथ ही मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (ष्टरूष्टस्रुक्क) की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जिला समन्वयक श्री विष्णु प्रसाद नागर ने परिषद् के आगामी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी समितियों से सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैठक के उपरांत ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत ग्राम की गौशाला परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी उपस्थितजनों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर श्री आचार्य रामसिंह प्रजापत, श्री दशरथ मालवीय, श्री प्रेम नारायण राजपूत, श्री सिद्धनाथ कुंभकार, श्री भगवान सिंह चौहान सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्री महेश सिसोदिया ने किया।

विद्यार्थी परिषद को समझना है, तो हमें भारत को समझना होगा - संदीप वैष्णव

अभाविप देपालपुर द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महू जिला देपालपुर नगर इकाई नगर अध्यक्ष सतीश सोलंकी ने कार्यक्रम की भूमिका रखी कहा क्क्क्क्द्वारा विद्यार्थी परिषद के 78वे स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य पर लगातार दूसरे वर्ष देपालपुर नगर का गौरव बढ़ाने वाले 250 से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया। देपालपुर नगर मंत्री देव चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर विद्यार्थी परिषद देपालपुर नगर इकाई द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सांवरा जी जाट सेवानिवृत्ति एनएसजी कमांडो ने विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रथम के भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया कर्तव्य भारत माता के प्रति विद्यार्थी निभाए, कार्यक्रम में विशेष अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मालवा प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री संदीप वैष्णव ने परिषद का गौरवशाली इतिहास बताया, सुसंस्कृत छात्र शक्ति ही भारत के निर्माण के आवश्यक है, विद्यार्थी परिषद को जानना है तो भारत को जानना होगा, ए फॉर एप्पल नहीं ए फॉर अंबेडकर, बी फॉर बाल नहीं बी फॉर भगत सिंह, सी फॉर चंद्रशेखर आजाद, डी फॉर डॉग नहीं डी फॉर दुर्गावती पढ़ना होगा तब जाकर हम हमारे राष्ट्र की गौरवशाली इतिहास को बता पाएंगे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अभिभावक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, कार्यक्रम में आभार नगर मंत्री देव चौधरी ने व्यक्त किया कार्यक्रम के अंत में संपूर्ण वंदे मातरम का गायन सामूहिक रूप से किया गया।

मदाना से भैंसवा माता के लिए 42 किलोमीटर पदयात्रा मे

श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम मदाना से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भैंसवा माताजी के दर्शन हेतु 42 किलोमीटर लंबी पदयात्रा सोमवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना हुई। यात्रा का शुभारंभ प्रातः 9 बजे ग्राम की छोटी पाथी स्थित हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात किया गया।

ढोल-धमाकों, डीजे और माता के जयकारों के बीच निकली पदयात्रा का ग्राम मदाना सहित मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा एवं स्वागत किया गया।

इस वर्ष पदयात्रा के संयोजक पटेल श्री करण सिंह जी हैं। उनके साथ पुत्र कृपाल सिंह एलम सिंह एवं भीम सिंह मेवाड़ा के सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया है।

इस धार्मिक पदयात्रा में लगभग 1000 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पदयात्रा 42 किलोमीटर की दूरी तय कर भैंसवा माताजी के दरबार पहुंचेगी, जहां रात्रि में विशाल भंडारे का आयोजन किया

भंडारे में लगभग 5000 से अधिक श्रद्धालुओं ओने भोजन प्रसादी का लाभ लिया कि ग्राम मदाना से यह पदयात्रा कई वर्षों से लगातार निकाली जा रही है। प्रतिवर्ष किसी न किसी श्रद्धालु के सहयोग से इस धार्मिक परंपरा का सफल आयोजन किया जाता है, जिससे क्षेत्र में आस्था और सामाजिक एकता का संदेश भी प्रसारित होता है।

राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन की बेटमा मे बैठक

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन को मध्य प्रदेश में विस्तार एवं गति देने के लिए बेटमा में धार और इंदौर जिले के पदाधिकारियों की बैठक हुई, प्रदेश महामन्त्री राजेंद्र जी पटेल, प्रदेशप्रभारी (पश्चिम क्षेत्र)पोप सिंह जी नागर , प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अनुशासन समिति अध्यक्ष विजय जी तारन, इंदौर जिला अध्यक्ष सुरेंद्र जी खिलावदिया, इंदौर संभाग अध्यक्ष लीलाधर जी चौधरी, इंदौर संभाग अनुशासन समिति के अध्यक्ष महिपालसिंह जी राठौर, धार जिला अध्यक्ष डॉक्टर मुकेश जी नागर, इंदौर जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. दीपक जी जाट, धार जिला अध्यक्ष(महिला मोर्चा)पूजा जी चौहान, राकेश जी नागर, इंदौर जिला मंत्री (महिला मोर्चा)दीपाली जी पटवा भी बैठक में शामिल हुए-

उक्त जानकारी- चन्दन सिंह बड़वाया, प्रदेश उपाध्यक्ष राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी संघठन प्रचार समिति ने दी।

देपालपुर विधानसभा कांग्रेस परिवार द्वारा युवा स्वाभिमान : Gen-Z Cyclothon का भव्य स्वागत

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माननीय श्री जीतू पटवारी के नेतृत्व में इंदौर से भोपाल तक निकाली जा रही युवा स्वाभिमान : Gen-Z Cyclothon का आज देपालपुर विधानसभा कांग्रेस परिवार द्वारा सयाजी होटल चौराहा पर भव्य एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया।

इस स्वागत कार्यक्रम में इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विपिन वानखेड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूर्व अध्यक्ष श्री मोतीसिंह पटेल के नेतृत्व में देपालपुर विधानसभा के समस्त कांग्रेस परिवारजन, पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवा साथी एवं वरिष्ठजन बड़ी संख्या में सयाजी होटल चौराहा पर एकत्रित हुए। सभी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी का पुष्पमालाओं एवं जयघोष के साथ आत्मीय स्वागत किया तथा साइकिल यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यह यात्रा न्याय, युवा स्वाभिमान, जनहित के मुद्दों और प्रदेश में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के नेतृत्व में निकाली जा रही यह Gen-Z Cyclothon युवाओं की ऊर्जा को नई दिशा देने के साथ-साथ आमजन की आवाज, किसानों, युवाओं एवं प्रदेश के महत्वपूर्ण जनसरोकारों को भोपाल तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य करेगी।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। ÷जय कांग्रेस÷ एवं ÷युवा स्वाभिमान ज़िंदाबाद÷ के नारों के साथ यात्रा का स्वागत किया गया और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने यात्रा में शामिल होकर अपने समर्थन का संदेश दिया।

इस अवसर पर देपालपुर विधानसभा के सैकड़ों कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं कांग्रेस परिवार के सदस्य उपस्थित रहे सत्यनारायण जाट, मलिक खान,सचिन सोनी,राजेश बढ़वाया, कमलसिंह डाबी,जसवंत आंजना, देवकरण गुर्जर, रामप्रसाद पंवार,जितेंद्र ठाकुर,सलम नेताजी,नरहरि पटेल,नरेंद्र मकवना, अमरसिंह नेताजी,सुरेश यादव,अमित पटेल,सुभाष राठौर,शिवम मौर्य,जीतू दरबार,रामचरण ठाकुर,कप्तानसिंह पंवार,लाखन पटेल ,लाखन जाधव,बाबूलाल मालवीय,कपिल सोलंकी,चेतन सुनेर, सचिन पटेल,जयराम यादव, ओमप्रकाश यादव,पवन राठौर,सतीश पटेल,गोपाल आंजना,रोहित चौधरी,श्रवण मकवना,रवि जाट,चांद मोहम्मद, दिनेश मेवाड़ा,नीरज पटेल,अमित पटेल,शुरेस बागवान,गोपाल आंजना,,इश्वरसिहं जाधव,ईश्वर राठौर,दशरथ परमार,पंकज सोलंकी,दिपक चंदेल, प्रवीण यादव,टिटु सोलंकी,लाखन पटेल,श्रवण पाटीदार,जाहिद खान,गोकुल राठौड़,जगदीश नरवरीया, पवनसिंह राठौड़,रोहित चौधरी,हरिओम पंवार,गगन गौड़,रोहित पंवार, अरविंद कुशवाह,आयुश जाधव,गौरव चोकसे,सुमित मौर्य, रामप्रसाद पटेल,बाहादुर पटेल, संजय मकवाना, जितेन्द्र बड़वाया,सतिश पटेल,वासुदेव पटेल, राधेश्याम, जगदीश मालवीय,बंटी माली,विष्णु।

देपालपुर में एबीवीपी ने किया प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान, अतिथियों ने बढ़ाया उत्साह

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय सालासर परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा एक भव्य छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं का उत्साहवर्धन करना था।समारोह में मुख्य रूप से एबीवीपी के प्रांतीय अधिकारी, जिला संयोजक और नगर संयोजक उपस्थित रहे। इसके साथ ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित प्रबुद्धजनों ने भी शिरकत की। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता, देश की सेवा में तैनात सम्माननीय फौजी भाइ, वरिष्ठ समाजसेवि और वरिष्ठ पत्रकार द्वारा होनहार छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। देश का गौरव हैं युवा ;- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि युवा ही हमारे देश का आधार स्तंभ हैं। युवाओं का यह सम्मान न केवल उनका हौसला बढ़ाएगा, बल्कि भविष्य में यही प्रतिभावान छात्र आगे बढ़कर देश का स्वाभिमान और गौरव वैश्विक पटल पर चमकाएंगे। उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवियों और फौजी भाइ ने छात्रों को राष्ट प्रथम की भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

स्वर्गीय गहलोत की स्मृति में होगा निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

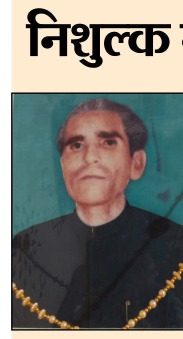

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शुजालपुर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय संत हिरदाराम नगर सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र शुजालपुर मंडी के सहयोग से समाजसेवी श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट शाजापुर जिला अध्यक्ष सुशील कुमार गेहलोत के पूज्य पिताजी स्वर्गीय देवेंद्र कुमार जी गेहलोत की स्मृति में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन 30 जुलाई 2026 गुरुवार को सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र सरकारी अस्पताल के सामने शुजालपुर मंडी में आयोजित होगा सेवा सदन केंद्र प्रभारी खुशीराम आचार्य ने बताया कि समाज सेवी डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत द्वारा प्रतिवर्ष उनके पूज्य पिताजी के स्मृति में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जाता है शिविर में आंखों की जांच के पश्चात मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित मरीज को बस द्वारा संत हिरदाराम नगर ले जाया जाएगा।

12 सितम्बर को आयोजित होगी वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण,नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर 2026 (शनिवार) को किया जाएगा। जिला मुख्यालय नीमच सहित तहसील मुख्यालय मनासा,जावद एवं रामपुरा स्थित न्यायालय परिसरों में आयोजित होने वाली इस नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री वीरेन्द्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में नीमच, मनासा, जावद एवं रामपुरा न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य प्रकरणों का आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण किया जाएगा।

जनसुनवाई में एसपी राजेश व्यास ने सुनी 53 फरियादियों की समस्याएं, सीएम हेल्पलाइन की 15 शिकायतों का मौके पर निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन के निर्देश पर मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम नीमच स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई, शिकायत निवारण एवं सीएम हेल्पलाइन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने की। इस दौरान जिलेभर से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं।

शिविर में एसपी राजेश व्यास ने एक-एक आवेदक की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित थाना प्रभारियों व अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई से जुड़े मामले, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित विभिन्न प्रकार की शिकायतें सामने आई, जिनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

इस अवसर पर आयोजित सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर में लेवल-1, लेवल-2 और लेवल-3 की कुल 15 लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर उन्हें बंद कराया गया। वहीं जिला स्तरीय जनसुनवाई शिविर में करीब 53 फरियादियों ने अपनी समस्याएं एसपी के समक्ष रखीं। शिकायतों को सुनने के बाद एसपी ने संबंधित थाना प्रभारियों को समय सीमा में कार्रवाई कर आवेदकों को राहत देने के निर्देश दिए।

एसपी राजेश व्यास ने सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों का समय पर, निष्पक्ष और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण पुलिस की प्राथमिकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी बने जगदीश महावी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा सोमवार को जारी 61 निकाय अधिकारियों की पदोन्नति सूची में बदनावर नगर परिषद के सहायक ग्रेड-1 अधिकारी जगदीश महावी को मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) पद पर पदोन्नत किया गया है। विभागीय आदेश के अनुसार उन्हें आगामी आदेश तक %ग% श्रेणी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। ज्ञात हो कि महावी साधारण परिवार में जन्मे होकर ग्राम केलपाड़ा निवासी महावी पिछले 23 वर्षों से नगर परिषद बदनावर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। महावी की प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही होकर हाईस्कूल बिरमावल ग्राम में पड़े कॉलेज की पढ़ाई बदनावर में होकर स्नातकोत्तर धार से किया । पड़ते समय ही महावी की प्रथम नियुक्ति नगर परिषद बदनावर में हुई । महावी कार्य के प्रति कर्तव्य निष्ठ होकर रोड खराब होने से बारिश के मौसम में कई बार गांव से 9 किलोमीटर पैदल चलकर कार्यालय में उपस्थित होकर कार्य संपादन करते रहे है। वरिष्ठ कार्यालयों, अधिकारी/ परिषद द्वारा सौंपे गये दायित्वों का समयसीमा में निर्वहन करते । महावी ने कुछ वर्ष धार नगरपालिका में भी कार्यालय अधीक्षक का दायित्व कुशलतापूर्वक निभाया । एक छोटे से गांव केलपाड़ा में जन्मे साधारण,सरल स्वभाव के धनी महावी का जीवन संघर्ष मय होकर मध्यप्रदेश शासन की पदोन्नति नीति 2025 अनुसार महावी की पदोन्नति होने से उनकी पदोन्नति से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। महावी परिवार ने हर्ष व्यक्त कर माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन जी यादव एवं मध्यप्रदेश शासन का आभार व्यक्त किया है ।

कलेक्ट्रेट में ये क्या हो गया: बुजुर्ग को लोट लगाना पड रही है, सिस्टम को शर्मसार करने वाला वीडियो

सिस्टम की छाती पर लोटती लाचारी! नीमच कलेक्ट्रेट में जब रेंगते हुए पहुंची दिव्यांग बुजुर्ग महिला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं और सरकारी सिस्टम गहरी नींद में सो जाए, तो एक गरीब, दिव्यांग और लाचार बुजुर्ग को इंसाफ के लिए किस हद तक गुजरना पड़ता है, इसकी रोंगटे खड़े कर देने वाली तस्वीर आज नीमच कलेक्ट्रेट में देखने को मिली।

मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जीरन तहसील के ग्राम चीताखेड़ा की रहने वाली दिव्यांग बुजुर्ग महिला कलाबाई जमीन पर लोट लगाते हुए (लोटन कबूतर की तरह रेंगते हुए) कलेक्ट्रेट पहुंची। इस मंजर को जिसने भी देखा, उसकी रूह कांप गई और सिस्टम की संवेदनहीनता पर थू-थू करने लगा।

तमाशा बन गई पीएम आवास योजना- किश्त आ गई, पर दबंगों का डंडा चालू- कहने को सरकार गरीबों को पक्का मकान देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना चला रही है, लेकिन नीमच के चीताखेड़ा में इस योजना की धज्जियां उड़ चुकी हैं। कलाबाई के नाम पर पट्टा है, बरसों से जमीन पर कब्जा है और सरकार ने मकान बनाने के लिए योजना की किश्त भी जारी कर दी है। लेकिन मजाल है कि वह अपना आशियाना बना सके!

पीड़ित महिला का सीधा आरोप- गाँव के दबंग रामनारायण तेली और मोहन तेली मुझे पीएम आवास का मकान नहीं बनाने दे रहे हैं। वे लगातार धमकी दे रहे हैं और काम रुकवा कर बैठे हैं।

ड्रोन सर्वे का अजूबा- डिजिटल इंडिया में गरीब का पट्टा गायब!

इस पूरे मामले में प्रशासनिक लापरवाही का एक और बड़ा कारनामा सामने आया है। कलाबाई का आरोप है कि डिजिटल मैपिंग और ड्रोन सर्वे के नाम पर सरकारी बाबुओं ने ऐसा खेल खेला कि ऑनलाइन नक्शे में उसकी पुश्तैनी जमीन और मकान वाले भूखंड को किसी दूसरे व्यक्ति के नाम दर्ज कर दिया गया।

अब दिव्यांग कलाबाई अपनी ही जमीन को सरकारी कागजों में अपनी साबित करने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रही है।

पट्टा कलाबाई का...

कब्जा बरसों पुराना...

पीएम आवास की किश्त भी आई...

लेकिन ड्रोन सर्वे के बाद ऑनलाइन नक्शा बदल गया!

अधिकारियों का वही पुराना राग - जांच का आश्वासन

कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा बैठे हुए थे, तुरंत महिला को बुलाया और जांच का आश्वासन दिया।

बड़ा सवाल- अब देखना यह है कि रेंगते हुए इंसाफ मांगने पहुंची इस दिव्यांग बुजुर्ग महिला को उसका हक मिलता है या फिर साहबों की फाइलें किसी और ड्रोन सर्वे के नीचे दबा दी जाएंगी?

प्रदेश में गरीब लोगों के आवेदन पर किस तरह से कार्रवाई होती है, आपका क्या कहना है।

मोक्ष का राज चाहिए तो संसार का राज छोड़ना पड़ेगा

साध्वीश्री करुणा जी म. सा. ने श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ में धर्मसभा में कहा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भक्ति का रस अमृत से भी मीठा होता है। श्रुत सागर में डुबकी लगाने की छटा ही प्यारी होती है। जिनवाणी का सहारा लेंगे तभी मोक्ष मार्ग पर पहुंच सकते हैं।

जीव को उसके कर्म के अनुसार ही गति मिलती है। देवगुरु धर्म के प्रति श्रद्धा करने वाले कभी मार्ग से भटकने नहीं है। मोक्ष का राज चाहिए तो संसार का राज छोड़ना पड़ेगा। राजा के राज्य से बड़ा संयम होता है। राज्य करने वाला नरक या तिर्यंच गति का मेहमान बनता है। जबकि संयम लेने वाले को अच्छी गति मिलती है।

गुरु के चरणों में शांति मिलती है

साध्वीजी ने गुरु की महिमा का बखान करते हुए आगे कहा कि गुरु का कोई सानी नहीं होता है। गुरु के चरणों में जब जाते हैं तो जीवन में शांति होती है। जिनशासन एवं जैन धर्म बहुत मुश्किल से मिलता है। जिनशासन में प्रवेश कर लिया तो जीवन में कोई कमी नहीं आएगी। दुर्लभ मानव भव मिला है इसे व्यर्थ में खोना नहीं। संसार की आसक्ति का त्याग करेंगे तभी जिनशासन में प्रवेश कर सकते हैं।

मनुष्य जन्म के मर्म को समझना है

साध्वीश्री पुष्पाजी ने कहा कि जीव जब नरक गति में जाता है तो वहाँ बहुत दुःख मिलता है। वहीं मनुष्य जीवन में थोड़ा सा भी दुःख आ जाता है कि जो अत्यंत बेचैन हो जाता है। मनुष्य जन्म के मर्म को समझने की आवश्यकता है। जीव जन्म से लेकर मरण तक दौड़ लग रहा है और पाप भी कर रहा है। धर्म को समझ कर आचरण करने की जरूरत है। तभी मनुष्य भव को सार्थक किया जा सकता है।

बखतगढ़ से पिपलिया विहार किया

साध्वीश्री करुणा जी, पुष्पा जी, निर्मिता जी, दर्शिता जी ठाणा 4 का सोमवार को बदनावर से विहार होकर बखतगढ़ में मंगल प्रवेश हुआ था। साध्वी वृंद के विहार की श्रावक श्राविकाओं ने सुखसाता पूछी।

साध्वीश्री ने सभी को मांगलिक श्रवण करवाई। साध्वी मंडल के सानिध्य में पक्खी पर्व तप, त्याग से मनाया गया। संयमी आत्माओं ने मंगलवार शाम को बखतगढ़ से पिपलिया विहार किया।

वहां से बुधवार को प्रातः सूर्योदय के बाद कोद के लिए विहार की संभावना है। गौरतलब है कि इस बार 28 जुलाई से वर्षावास प्रारंभ होगा। साध्वी वृंद का वर्षावास धार में होगा। चारित्र आत्माओं का वर्षावास प्रारंभ के पूर्व धार में मंगल प्रवेश होगा।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं 161 आवेदकों की समस्याएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 161 आवेदकों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदन का परीक्षण करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित,गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बिसलवास सोनिगरा निवासी मोहनलाल ने नालियों की साफ-सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था कराने, धनेरिया कला की कविता ने मकान निर्माण एवं पट्टा उपलब्ध कराने, चीकली विकासखंड के सत्यनारायण ने कृषि भूमि तक पहुंचने का रास्ता खुलवाने आदी।

कार्यालय ग्राम पंचायत खेड़ा
जनपद पंचायत बदनावर, जिला–धार (म.प्र.)

क्र.89/पंचा./26 दिनांक–14/07/26

विज्ञप्ती

ग्राम पंचायत खेड़ा द्वारा जाहिर सूचना दी जाती है कि खेड़ा स्थित मुख्य मार्ग से खेड़ा सोसायटी तक सरदार पटेल हाटबाजार का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी दूकानों की नीलामी आगामी दिनांक–24/07/2026 वार–शुक्रवार के दिन विधिवत् नियमानुसार की जावेगी। हाटबाजार निर्माण की समस्त जानकारी, नियम व शर्तें आगामी दिनांक–20/07/2026 वार–सोमवार से ग्राम पंचायत खेड़ा के सूचना पटल पर उपलब्ध रहेगी।

सूचनाकर्ता– ग्राम पंचायत खेड़ा, जनपद पंचायत बदनावर

दसवीं फेल झोलाछाप डॉक्टर कर रहा था उपचार, मासूम की गई जान

घटना के बाद डॉक्टर हुआ फरार, बीएमओ ने किया क्लिनिक सील, बिना जांच के क्लिनिक संचालक पर जिम्मेदारों पर उठे रहे सवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सिंगोली तहसील मुख्यालय पर अवैध रूप से संचालित हो रहे क्लिनिक में नौसिखिया झोलाछाप डॉक्टर आम जनता की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में 10वीं फेल झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से 8 जुलाई को एक मासूम को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। मासूम की मौत के बाद जिम्मेदार नींद से जागे और घटना के तीन दिन बार क्लिनिक सील किया। सीलिंग कार्रवाई के दौरान प्रभारी बीएमओ डॉ. मोहन मुजाल्दे, डॉ. इतेश व्यास, प्रधान आरक्षक विशाल गंगवाल और स्वास्थ विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

ड्रिप चढ़ाने से अत्यधिक बिगड़ी तबीयत- जानकारी देते हुए परिजनों और ग्रामीणों ने बताया कि अंसार पिता शाहिद मेव 14 वर्ष निवासी माता खेड़ा ग्राम पंचायत फुसरिया 8 जुलाई को सिंगोली स्थित श्री धाकड़ क्लिनिक पर अपनी मां का इलाज करवाने के लिए आया था। इस दौरान उसे भी हाथ-पैर दर्द और बुखार महसूस हुआ तो उसने क्लिनिक संचालक से गोली देने को कहा। झोलाछाप डॉ. विनोद धाकड़ ने लालच के चलते उसे गोली देने के बजाय बॉटल लगा दी। ड्रिप लगाने के थोड़ी देर बाद ही अंसार की हालत ज्यादा बिगडने् लगी तो विनोद धाकड़ ने परिजनों को उसे आगे ले जाने को कहा। परिजन उसे भीलवाड़ा राजस्थान के एक हॉस्पिटल में ले गए। वहां डॉक्टर को पूरी घटना से अवगत करवाया। भीलवाड़ा के डॉक्टर ने अंसार को दी गई दवा की जानकारी लेने के लिए विनोद धाकड़ को फोन लगाया तो उसने फोन रिसीव ही नहीं किया। परिजनों ने जैसे तैसे संपर्क कर दी गई दवा की जानकारी ली लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अंसार जीवन की जंग हारते हुए झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही की भेंट चढ़ चुका था। हालांकि परिजनों ने पुलिस रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई और न ही अंसार का पोस्टमार्टम करवाया। 11 जुलाई को परिजनों द्वारा स्वास्थ्य विभाग आवेदन देकर पूरी घटना से अवगत कराया। यह भी बताया कि डॉ. धाकड़ द्वारा गलत बोतल और गलत इंजेक्शन लगाने से ही उनके बच्चे की मौत हुई है।

दसवीं फेल डॉक्टर कर जान से खिलवाड़- अंसार की मौत के बात झोलाछाप डॉ. विनोद धाकड़ की पोल खुली। यह सच्चाई सामने आई कि विनोद धाकड़ दसवीं में तीन बार फैल हुआ था। पढ़ाई छोड़ विनोद ने राजस्थान में किसी डॉक्टर के यहां कुछ समय रहकर इंजेक्शन लगाना ओर गोली दवाई के बारे में आधी अधूरी जानकारी ली थी। सिंगोली के मुख्य चौराहे पर क्लिनिक खोलकर लोगों की जान से खिलवाड़ करने लगा। घटना के पांच दिन और परिजनों द्वारा घटना के संबंध में आवेदन देने के तीन दिन बाद स्वास्थ विभाग हरकत में आया। सोमवार सुबह 11 बजे करीब सिंगोली तिलस्वां रोड स्थित श्री धाकड़ क्लिनिक को सील करने की कार्रवाई की गई। मृतक के परिजनों ने आवेदन देकर विनोद धाकड़ के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पंगत होटल में पत्नी ने पति को दूसरी युवती के साथ कमरे में पकड़ा, रीवा में दो दिन ट्रेस कर रही थी पत्नी

इनका कहना है- हमने श्री धाकड़ क्लिनिक को सील कर दिया है। आगे की कार्रवाई के लिए तहसीलदार और पुलिस को लिखा है। विभाग द्वारा आगे भी सभी निजी क्लिनिकों की जांच कर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

-डॉ. मोहन मुजाल्दे, बीएमओ

स्वास्थ विभाग द्वारा श्री धाकड़ क्लिनिक सील करने के बाद संचालक विनोद धाकड़ के खिलाफ कार्रवाई हेतु आवेदन दिया है। मृतक के परिजनों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-जितेंद्र वर्मा, थाना प्रभारी सिंगोली

आजादी के दशकों बाद भी सड़क को तरस रहा पीपलदा पठार, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क नहीं तो विकास कैसा? इसी सवाल के साथ मनासा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पीपलदा पठार के ग्रामीण मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने सड़क, शिक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य आर. सागर कछावा भी ग्रामीणों के साथ मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आजादी के वर्षों बाद भी गांव तक पक्की सड़क नहीं पहुंच पाई है। बारिश के दिनों में हालात और खराब हो जाते हैं तथा गांव का संपर्क मुख्य मार्गों से कट जाता है। ऐसे में बीमार लोगों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को अस्पताल पहुंचाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

जिला पंचायत सदस्य आर. सागर कछावा ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। उन्होंने गांव के शासकीय स्कूल भवन की जर्जर स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बच्चे जोखिम के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन समाधान नहीं होने पर उन्हें कलेक्टर कार्यालय पहुंचना पड़ा।

ग्रामीणों ने प्रशासन से पीपलदा पठार तक जल्द पक्की सड़क निर्माण, जर्जर स्कूल भवन की मरम्मत या नए भवन निर्माण सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने को मजबूर होंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय झाबुआ-2 (थांदला) के प्राचार्य श्री पी. सी. कानव ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति, मुख्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 के लिए पात्र विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 तथा चयन परीक्षा की तिथि 28 नवम्बर 2026 निर्धारित है। ऑनलाइन आवेदन JNVST आवेदन पोर्टल https://cbseitms.rcil.gov.in/nvs/ के माध्यम से किए जा सकते हैं। विद्यालय में प्रवेश हेतु थांदला, पेटलावद एवं मेघनगर विकासखंडों के पात्र विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदक शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत होना चाहिए तथा उसकी जन्मतिथि 01 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के मध्य होनी चाहिए। साथ ही विद्यार्थी ने कक्षा 3, 4 एवं 5 में पूर्ण शैक्षणिक सत्र अध्ययन किया हो। पूर्व में कक्षा 5वीं उत्तीर्ण कर चुके, कक्षा 5वीं दोहरा रहे अथवा पूर्व में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में सम्मिलित हो चुके विद्यार्थी आवेदन के पात्र नहीं होंगे। ग्रामीण कोटे का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी का कक्षा 3, 4 एवं 5 में ग्रामीण क्षेत्र में स्थित विद्यालयों में अध्ययनरत होना आवश्यक है। प्राचार्य ने जिले के शिक्षकों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षा से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों के ऑनलाइन आवेदन भरवाने में सहयोग करें, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी इस अवसर से वंचित न रहे। ऑनलाइन आवेदन पूर्णतः निःशुल्क है तथा आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की सहायता के लिए विद्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। आवेदन से संबंधित जानकारी एवं सहायता हेतु मोबाइल नंबर 7987051718 पर प्रातः 09ः00 बजे से सायं 05ः00 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

नीमच रेलवे स्टेशन पर बड़ा बदलाव- 20 जुलाई से निजी एजेंसी संभालेगी पूछताछ केंद्र, यात्रियों को मिलेगी 24 घंटे सेवा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे यात्रियों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आगामी 20 जुलाई से नीमच रेलवे स्टेशन के पूछताछ केंद्र का संचालन निजी एजेंसी द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही रतलाम मंडल पश्चिम रेलवे का पहला मंडल बन जाएगा जहां पूछताछ केंद्रों की व्यवस्था आउटसोर्सिंग मॉडल पर संचालित होगी।

रेलवे प्रशासन ने इस कार्य की जिम्मेदारी हैदराबाद स्थित मेगा कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपी है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद एजेंसी को कार्यादेश जारी कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत रतलाम मंडल के नीमच, रतलाम, इंदौर, उज्जैन, दाहोद, चित्तौड़गढ़, देवास, नागदा और डॉ. अंबेडकर नगर सहित 9 प्रमुख रेलवे स्टेशनों के कुल 10 पूछताछ काउंटर निजी एजेंसी संचालित करेगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को अधिक प्रभावी, त्वरित और 24 घंटे उपलब्ध रहने वाली पूछताछ सेवा प्रदान करना है। वर्तमान में पूछताछ केंद्रों पर कार्यरत 37 रेलवे कर्मचारियों को उनकी मूल जिम्मेदारियों में लगाया जाएगा, जिससे रेलवे की अन्य सेवाओं और संचालन व्यवस्था में भी सुधार होने की उम्मीद है।

यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं- नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को ट्रेनों की स्थिति, आगमन-प्रस्थान, प्लेटफॉर्म संबंधी जानकारी, कोच पोजिशन और अन्य आवश्यक सूचनाएं पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। रेलवे का मानना है कि निजी एजेंसी के माध्यम से सेवा की गुणवत्ता और जवाबदेही दोनों में सुधार होगा।

रेलवे देगा विशेष प्रशिक्षण- रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि निजी एजेंसी द्वारा लगभग 40 प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। इन कर्मचारियों को रेलवे की कार्यप्रणाली, यात्री सुविधाओं और तकनीकी व्यवस्थाओं का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षित कर्मचारी यात्रियों को ट्रेन और स्टेशन संबंधी जानकारी देने के साथ-साथ कोच गाइडेंस, इंडिकेटर बोर्ड संचालन, स्वचालित एवं मैनुअल उद्घोषणाएं (अनाउंसमेंट), दिव्यांग यात्रियों और वरिष्ठ नागरिकों की सहायता जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी निभाएंगे।

एक वर्ष के लिए लागू होगी

व्यवस्था- मंडल रेल प्रबंधक अश्विनी कुमार के मार्गदर्शन में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हिना वी. केवलरामानी, मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजेश मथुरिया तथा मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मिक्की सक्सेना ने इस योजना की रूपरेखा तैयार की है। फिलहाल यह व्यवस्था एक वर्ष के परीक्षण काल के लिए लागू की जा रही है, जिसके परिणामों के आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

यात्रियों को क्या होगा फायदा?

24 घंटे उपलब्ध पूछताछ सेवा

प्रशिक्षित कर्मचारियों से त्वरित जानकारी

ट्रेनों और प्लेटफॉर्म संबंधी सटीक अपडेट

वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांग यात्रियों को विशेष सहायता।

रेलवे कर्मचारियों की मूल कार्यों में बेहतर उपयोगिता।

स्टेशन प्रबंधन और यात्री सेवाओं में सुधार।

रेलवे का मानना है कि यह पहल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और स्टेशन सेवाओं को अधिक आधुनिक एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

चलती एंबुलेंस में गूंजी किलकारी, 108 कर्मियों की सूझबूझ से सुरक्षित हुआ प्रसव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कहते हैं मुश्किल वक्त में सही फैसला ही जिंदगी बचा लेता है। ऐसा ही नजारा नीमच-रतलाम मार्ग पर देखने को मिला, जहां 108 एंबुलेंस कर्मचारियों की सूझबूझ और तत्परता से एक प्रसूता की सुरक्षित डिलीवरी कराई गई। एंबुलेंस में ही नवजात की किलकारी गूंजी और जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ रहे। जानकारी के अनुसार रावतभाटा (राजस्थान) निवासी मंगला पति राजूलाल (24) को प्रसव पीड़ा के चलते जिला अस्पताल नीमच में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें मेडिकल कॉलेज रतलाम रेफर किया, जिसके बाद उन्हें 108 एंबुलेंस क्रमांक छ्त्र04र्ह1263 से रतलाम ले जाया जा रहा था। रास्ते में डोडर चौराहे के समीप अचानक प्रसूता की प्रसव पीड़ा तेज हो गई। स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस पायलट अशोक कुमार और ईएमटी विजय शाक्य ने तुरंत एंबुलेंस को सुरक्षित स्थान पर रोका और आवश्यक सावधानियां बरतते हुए प्रसव कराया।कुछ ही देर में एंबुलेंस में नवजात की किलकारी गूंज उठी। प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित पाए गए। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रतलाम पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा उप स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र भायल द्वारा आज जिले के विभिन्न विकासखंडों के उप स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई, दवा उपलब्धता, अभिलेख संधारण एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया गया। उप स्वास्थ्य केन्द्र बरखेड़ा, विकासखंड कल्याणपुरा निरीक्षण के दौरान बंद पाया गया। इस पर गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। उप स्वास्थ्य केन्द्र मोखड़ा, विकासखंड मेघनगर के निरीक्षण के दौरान कोई भी स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी उपस्थित नहीं पाया गया। केन्द्र परिसर में साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता, आईईसी सामग्री तथा अभिलेख संधारण की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। परिसर में आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित होता पाया गया, जहां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका उपस्थित थीं तथा 12 बच्चे उपस्थित पाए गए। बच्चों को मध्यान्ह भोजन के रूप में खीर एवं पूड़ी वितरित की जा रही थी। निरीक्षण के दौरान यह भी ज्ञात हुआ कि समुदाय द्वारा बच्चों को प्रातःकालीन नाश्ता उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उप स्वास्थ्य केन्द्र के संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। उप स्वास्थ्य केन्द्र बेडदा, विकासखंड पेटलावद में आशा कार्यकर्ता श्रीमती सुनीता सिंगार उपस्थित पाई गईं। केन्द्र पर ग्रुप-डी कर्मचारी अनुपस्थित पाया गया। एएनएम की उपलब्धता नहीं होने के कारण विगत छह माह से नियमित टीकाकरण सत्र आयोजित नहीं हो पा रहे हैं, जिसके चलते गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को टीकाकरण हेतु रायपुरिया ले जाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान केन्द्र परिसर में साफ-सफाई, आईईसी सामग्री एवं दवाइयों की उपलब्धता संतोषजनक पाई गई। डॉ. देवेन्द्र भायल ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

सिंगोली में नगर परिषद की मनमानीः राजीव आवास का आरक्षित पार्क निगलकर बना रहे भोजनशाला, भूखण्ड स्वामियों में आक्रोश

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली नगर परिषद की लापरवाही और मनमानी एक बार फिर उजागर हुई है। वार्ड क्रमांक 03 की राजीव आवास कॉलोनी में बच्चों के खेलने और रहवासियों के स्वास्थ्य के लिए आरक्षित पार्क को नगर परिषद ने अपने स्वार्थ के लिए नष्ट करना शुरू कर दिया है। यहां सामुदायिक भवन की भोजनशाला का अवैध निर्माण करवाया जा रहा है।

नगर परिषद की इस दादागिरी से आक्रोशित भूखण्ड स्वामियों ने - 14 जुलाई 2026 को ष्टरूह्र और तहसीलदार कार्यालय का घेराव कर जमकर विरोध जताया और अवैध निर्माण तुरंत बंद कराने की मांग की।

नियम-कानून ताक पर, पार्क पर चल रहा बुलडोजर- राजीव आवास कॉलोनी के भूखण्ड क्रमांक 41 से 58 के स्वामियों का कहना है कि कॉलोनी बसाते समय नगर परिषद ने लिखित में वादा किया था कि यहां पार्क बनेगा। इसी शर्त पर महंगे दामों में भूखण्ड बेचे गए थे।

लेकिन अब नगर परिषद खुद ही अपने वादे से मुकर गई है। आरक्षित पार्क की जमीन पर जेसीबी से नींव खुदवा दी गई है और सी.सी. का काम भी शुरू कर दिया गया है। कॉलोनी का नक्शा नगर एवं ग्राम निवेश से पास है, जिसमें पार्क को छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। बावजूद इसके नगर परिषद नियमों को ताक पर रखकर निर्माण करवा रही है।

भूखण्ड स्वामियों ने इसे ÷सरासर धोखाधड़ी और विश्वासघात÷ करार दिया है।

शासकीय जमीन पर भी भू-माफियाओं की नजर- रहवासियों ने आरोप लगाया कि कॉलोनी के पीछे लगी शासकीय भूमि पर भी भू-माफियाओं की नजर है। नगर परिषद की मिलीभगत से वहां भी कब्जा करवाने की तैयारी है। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो पूरा हरा क्षेत्र कंक्रीट में तब्दील हो जाएगा।

4 सूत्रीय मांग, नहीं मानी तो होगा उग्र आंदोलन

भूखण्ड स्वामियों ने प्रशासन से 4 मांगें की हैंः

1. पार्क पर चल रहा अवैध निर्माण तुरंत बंद हो
2. पार्क को तोड़कर बनाई गई नींव और सी.सी. हटाई जाए
3. पार्क को पूर्ववत खुला रखा जाए, उस पर कोई निर्माण न हो
4. कॉलोनी की पीछे की शासकीय जमीन को अतिक्रमण से बचाया जाए

रहवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर 7 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो वे कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे।

प्रशासन की चुप्पी- ज्ञापन देने के बाद भी अभी तक नगर परिषद के किसी अधिकारी ने निर्माण नहीं रुकवाया है। इससे साफ है कि नगर परिषद की इस अवैध कार्यवाही में बड़े लोगों का हाथ है।

फिलहाल प्रशासन मामले की लीपापोती में लगा है।

साप्ताहिक जनसुनवाई में 79 आवेदन प्राप्त, विभिन्न विभागों की योजनाओं के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं डेमो चेक वितरित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित, प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि जनसुनवाई आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता, गंभीरता एवं प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें समय पर राहत मिल सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनसुनवाई में ग्राम करनगढ़ (हाल मुकाम मोई चारणी), तहसील पेटलावद निवासी मांगुडा पिता हिरा गरवाल ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनकी सर्वेक्षण क्रमांक 615/3/2 की भूमि का वर्ष 2018 में बंटवारा हुआ था। उस समय मुख्य कच्ची सड़क को आधार मानकर सीमांकन करने का आश्वासन दिया गया था, किंतु वर्तमान में नक्शे में अंकित सीमाएं वास्तविक स्थिति से भिन्न हैं, जिससे कृषि कार्य एवं अन्य उपयोग में कठिनाई हो रही है। उन्होंने भूमि के नक्शे में आवश्यक सुधार कराने का अनुरोध किया।

इसी प्रकार कास्याखाली, तहसील पेटलावद निवासी जंगा बारिया ने आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती प्रक्रिया में अपना नाम अंतिम चयन सूची में शामिल नहीं किए जाने की शिकायत प्रस्तुत करते हुए भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच एवं पुनर्विचार की मांग की।

झाबुआ जिले के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर, सुरक्षा सैनिक भर्ती शिविरों का होगा आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद, नई दिल्ली एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट-2005 के अंतर्गत, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन तथा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से सिक्योरिटी स्किल काउंसिल इंडिया लिमिटेड, नीमच द्वारा जिले के शिक्षित ग्रामीण एवं शहरी बेरोजगार युवाओं के लिए सुरक्षा सैनिक भर्ती शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

जिले में छह दिवसीय भर्ती शिविरों का आयोजन प्रतिदिन प्रातः 11ः00 बजे से अपराह्न 3ः00 बजे तक किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत रानापुर, 16 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत रामा, 17 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत पेटलावद, 20 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत थांदला, 21 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत मेघनगर तथा 22 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत झाबुआ में भर्ती शिविर आयोजित होंगे।

भर्ती प्रक्रिया निर्धारित मापदंडों के आधार पर संपन्न की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को नीमच में एक माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत उन्हें देश के विभिन्न औद्योगिक एवं प्रतिष्ठित संस्थानों तथा महत्वपूर्ण स्थलों, जैसे लाल किला (दिल्ली), पीथमपुर, भोपाल, मण्डीदीप, दैनिक भास्कर कार्यालय, महाकाल मंदिर (उज्जैन), खजुराहो मंदिर, अयोध्या राम मंदिर, सांची स्तूप, ताजमहल (आगरा), ग्वालियर किला, एसबीआई एवं आईडीबीआई बैंक सहित अन्य संस्थानों में सुरक्षा सैनिक के रूप में नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

चयनित अभ्यर्थियों को मध्यप्रदेश एवं गुजरात सहित विभिन्न राज्यों में ?18,000 से ?22,000 प्रतिमाह तक वेतन प्रदान किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को भविष्य निधि (पीएफ), पेंशन, ग्रेच्युटी, मेडिकल सुविधा, वेतन वृद्धि, पदोन्नति एवं बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही पात्र कर्मचारियों के दो बच्चों को देहरादून स्थित अंतरराष्ट्रीय स्तर के आईपीएस स्कूल में अध्ययन का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

भर्ती हेतु अभ्यर्थी का 10वीं उत्तीर्ण, आयु 19 से 40 वर्ष तथा न्यूनतम 168 सेंटीमीटर लंबाई होना आवश्यक है।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ 10वीं की अंकसूची की छायाप्रति, दो पासपोर्ट आकार के फोटो एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज लेकर निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित हों। चयनित अभ्यर्थियों को पंजीयन हेतु ?350 का प्रॉस्पेक्टस शुल्क ऑनलाइन क्यूआर कोड के माध्यम से जमा करना होगा।

अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी www.ssciindia.com? पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं अथवा मोबाइल नंबर 7089869892 एवं 6261092834 पर संपर्क कर सकते हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

जेब वाले बयान पर घिरे महामंडलेश्वर, आखिरकार पुजारियों से मांगी माफी

दान चोरी रोकने के सुझाव से मचा बवाल, महाकाल सेना ने पद से हटाने की मांग दोहराई- आंदोलन की चेतावनी के बीच बदले सुर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर में दान चोरी रोकने को लेकर दिए गए एक बयान ने ऐसा विवाद खड़ा किया कि आखिरकार महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद को अपने शब्द वापस लेने पड़े। पुजारियों के बिना जेब वाले कुर्ते पहनने और मंदिर में मेटल डिटेक्टर लगाने की सलाह देने वाले महामंडलेश्वर ने अब महाकाल मंदिर के वरिष्ठ पुजारी महेश पुजारी से सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। हालांकि माफी के बावजूद विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। महाकाल सेना ने उनके खिलाफ मोर्चा खोलते हुए चारधाम मंदिर के पद से हटाने की मांग कर दी है।

महाकाल सेना के विरोध के बाद मंगलवार को महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने कहा कि यदि उनके बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वे क्षमा चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उस समय पूरे विषय की जानकारी नहीं थी। महेश पुजारी वर्षों से महाकाल मंदिर में सेवा दे रहे हैं और यदि उनकी किसी बात से उन्हें ठेस पहुंची है तो वे उनसे माफी मांगते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सिंहस्थ महापर्व निकट है, ऐसे समय में सभी साधु-संतों और पुजारियों को एकजुट होकर सनातन धर्म की सेवा करनी चाहिए।

महाकाल सेना ने दिखाई सख्ती- माफी के बावजूद महाकाल सेना का विरोध कम नहीं हुआ है। संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री किशन पांडेय ने परमानंद जी महाराज को पत्र लिखकर मांग की है कि महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद को चारधाम मंदिर के पद से तत्काल हटाया जाए। उनका आरोप है कि इस बयान से चारधाम की प्रतिष्ठा और पुजारी समाज की छवि को नुकसान पहुंचा है। महाकाल सेना ने साफ चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। साथ ही सरकार से चारधाम मंदिर के सरकारीकरण की मांग भी उठाई जाएगी।

यहीं से शुरू हुआ पूरा विवाद- कुछ दिन पहले दान चोरी के मामलों पर चर्चा के दौरान अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने कहा था कि मंदिरों में चोरी रोकने के लिए पुजारियों के कुर्तों में जेब नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि मंदिर में प्रवेश करने वाले कर्मचारियों और पुजारियों की मेटल डिटेक्टर से जांच की जाए। इस बयान के सामने आते ही अखिल भारतीय पुजारी महासंघ और महाकाल सेना ने तीखी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि इस तरह की टिप्पणी पूरे पुजारी समाज को संदेह के घेरे में खड़ा करती है और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाती है।

महंत रवींद्र पुरी ने भी दिया था सुझाव- अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज ने भी बड़े मंदिरों में बिना जेब वाली यूनिफॉर्म, ड्रेस कोड और मेटल डिटेक्टर जैसी व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा था कि हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में पुजारियों की ड्रेस में जेब नहीं होती। कई बार श्रद्धालु सीधे पुजारियों की जेब में दान रख देते हैं, जिससे बाद में फोटो या वीडियो वायरल होने पर गलत संदेश जाता है। यदि जेब नहीं होगी तो श्रद्धालु दान सीधे दानपेटी में डालेंगे और ऐसे विवादों से बचा जा सकेगा।

माफी के बाद भी खत्म नहीं हुआ विवाद - हालांकि महामंडलेश्वर ने अपने बयान पर खेद जताते हुए माफी मांग ली है, लेकिन महाकाल सेना और अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका विरोध अभी समाप्त नहीं हुआ है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि चारधाम मंदिर प्रबंधन और संबंधित संत समाज इस पूरे विवाद पर आगे क्या निर्णय लेते हैं।

उज्जैन में ई-वाहनों की रफ्तार पर बारिश में लग रहा ब्रेक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में इलेक्ट्रिक दोपहिया और चारपहिया वाहनों को लेकर लोगों का उत्साह अभी भी सीमित नजर आ रहा है। जिन लोगों ने ई-वाहन खरीदे हैं, वे अब सबसे ज्यादा सर्विस और मरम्मत की समस्या से जूझ रहे हैं। शहर के सर्विस सेंटरों पर खराब ई-वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं और छोटी-छोटी खराबियों को ठीक कराने के लिए भी ग्राहकों को कई सप्ताह से लेकर महीनों तक इंतजार करना पड़ रहा है।

सरकार लगातार इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर कई परेशानियां अभी भी बनी हुई हैं। वाहन की शुरुआती कीमत, चार्जिंग सुविधाओं की उपलब्धता, बैटरी की उम्र, रीसेल वैल्यू और बिक्री के बाद मिलने वाली सर्विस जैसी बातें लोगों के फैसले को प्रभावित कर रही हैं। यही वजह है कि उज्जैन में इलेक्ट्रिक वाहनों की रफ्तार प्रदेश के बड़े शहरों की तुलना में अभी धीमी बनी हुई है। जानकारी के अनुसार पिछले तीन वर्षों में शहर में करीब 15 हजार इलेक्ट्रिक वाहन सड़कों पर उतरे हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे वाहन हैं, जो किसी न किसी तकनीकी खराबी के कारण सर्विस सेंटरों पर खड़े हैं। ग्राहकों का कहना है कि सर्विस सेंटरों पर हमेशा काम का दबाव रहता है, जिससे मामूली मरम्मत में भी काफी समय लग जाता है। फ्रीगंज स्थित एक ई-बाइक शोरूम पर पहुंचे ग्राहक ने बताया कि ईंधन की बचत को देखते हुए उसने कुछ माह पहले इलेक्ट्रिक बाइक खरीदी थी, लेकिन अब सर्विस सबसे बड़ी परेशानी बन गई है। समय पर मैकेनिक नहीं मिलते और स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता भी चुनौती बनी रहती है। ऐसे में वाहन का उपयोग प्रभावित हो रहा है और ग्राहकों को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक परेशानी भी उठानी पड़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सर्विस नेटवर्क मजबूत किया जाए, प्रशिक्षित तकनीशियनों की संख्या बढ़ाई जाए और स्पेयर पार्ट्स आसानी से उपलब्ध कराए जाएं, तो इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर लोगों का भरोसा और बढ़ सकता है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत आबकारी विभाग ने जिले में लगाए 500 पौधे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत आबकारी विभाग ने जिले के विभिन्न वृतों, मदिरा भंडारों एवं एफएल-9 इकाई परिसर में 500 पौधों का रोपण किया। अभियान के दौरान फलदार एवं छायादार प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

सहायक आबकारी आयुक्त सुश्री निधि जैन के मार्गदर्शन में वृत क्रमांक-04 नगर उज्जैन, वृत क्रमांक-06 नगर उज्जैन, नागदा परिसर, महिदपुर वृत तथा देशी मदिरा भंडार परिसर में पौधरोपण किया गया। विभाग द्वारा अब तक अभियान के तहत कुल 500 पौधे लगाए जा चुके हैं। इस अवसर पर सहायक आबकारी आयुक्त निधि जैन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि पौधरोपण तभी सार्थक होगा, जब पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित किया जाए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें अटेंड नहीं करने वाले अफसरों को नोटिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को सोमवार को समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कारण बताओ नोटिस जाने के निर्देश जारी किए।

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह द्वारा निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें अटेंड नहीं करने वाले अधिकारियों को तत्काल नोटिस जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही 50 दिन से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर शिकायतकर्ताओं को वास्तविक राहत देने के निर्देश दिए।प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों की समय-सीमा वाले प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी समयावधि पत्र लंबित नहीं रहना चाहिए। सभी अधिकारी नियमित समीक्षा करें और तय समय में मामलों का निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने शिकायतों और जनकल्याणकारी योजनाओं में तेजी तथा पारदर्शिता लाने पर भी जोर दिया। बैठक में किसान कल्याण वर्ष, संबल योजना, उर्वरक वितरण और कामधेनु योजना की भी समीक्षा हुई। कामधेनु योजना में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए एलडीएम और उप संचालक पशुपालन को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सभी विभागों को लक्ष्य के अनुसार पौधारोपण कर उसकी जानकारी वायुदूत पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग ने बैठक में बताया कि 14 जुलाई से 31 अगस्त तक जिले में दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत आशा, एएनएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों की जांच करेंगे, ताकि डायरिया, कुपोषण और अन्य गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर उपचार कराया जा सके। कलेक्टर ने कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के भी निर्देश दिए।

ई-20 पेट्रोल से बढ़ीं वाहन चालकों की मुश्किलें, सर्विस सेंटरों पर बढ़ी भीड़

इंजन जाम, स्टार्टिंग और पिकअप की शिकायतें- मैकेनिक बोले- फ्यूल सिस्टम के पुर्जों पर पड़ रहा असर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल का उपयोग बढ़ने के साथ ही दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों की परेशानियां भी सामने आने लगी हैं। सर्विस सेंटरों और गैराजों पर ऐसे वाहनों की संख्या बढ़ रही है, जिनमें इंजन स्टार्ट नहीं होना, इंजन जाम होना, पिकअप कम होना और मिसफायर जैसी समस्याएं आ रही हैं। कई मामलों में इंजेक्टर, फ्यूल पंप, फ्यूल फिल्टर और रबर पाइप तक बदलने की नौबत पहुंच रही है।

वाहन मालिकों का कहना है कि ई-20 पेट्रोल शुरू होने से पहले उनकी गाड़ियों में इस तरह की दिक्कतें नहीं थीं। अब इंजन की आवाज बदलने, माइलेज घटने और स्टार्टिंग में परेशानी जैसी शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। कई लोगों ने बताया कि सर्विसिंग कराने के बाद भी समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो रही है। वाहन मैकेनिकों का कहना है कि यदि ईंधन की गुणवत्ता या वाहन की ट्यूनिंग सही नहीं हो तो लंबे समय तक ई-20 पेट्रोल के उपयोग से फ्यूल सिस्टम प्रभावित हो सकता है। इससे फ्यूल पंप, फ्यूल फिल्टर, इंजेक्टर और दोपहिया वाहनों के कार्बोरेटर में खराबी आने की आशंका रहती है। ऐसे मामलों में 10 से 20 हजार किलोमीटर चलने के बाद रखरखाव का खर्च भी बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार ई-20 पेट्रोल का ऊर्जा घनत्व सामान्य पेट्रोल की तुलना में कम होता है। ऐसे में समान दूरी तय करने के लिए अधिक ईंधन की आवश्यकता पड़ सकती है, जिससे वाहन का माइलेज कम महसूस हो सकता है। हालांकि आधुनिक ई-20 अनुकूल वाहनों में इन समस्याओं की संभावना अपेक्षाकृत कम रहती है, जबकि पुराने मॉडलों में समय-समय पर जांच और रखरखाव जरूरी माना जा रहा है।

चैटजीपीटी से गर्भगृह दर्शन का फर्जी पास बनाया, तीन युवक पकड़े गए

महाकाल मंदिर में क्यूआर कोड स्कैन होते ही खुली पोल- भोपाल के तीन युवकों को समिति ने पुलिस के हवाले किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में गर्भगृह दर्शन के लिए फर्जी पास बनाकर प्रवेश करने की कोशिश करने वाले भोपाल के तीन युवक पकड़े गए। युवकों ने अपने मोबाइल में ऐसा पास दिखाया, जिसे देखकर सुरक्षाकर्मियों को संदेह हुआ। जब पास पर बने क्यूआर कोड को स्कैन किया गया तो पता चला कि वह फर्जी है। इसके बाद मंदिर समिति ने तीनों को महाकाल थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोपाल के कोलार रोड निवासी भरत उइके (20) अपने दो नाबालिग साथियों के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे थे। तीनों शीघ्र दर्शन लाइन से गर्भगृह में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने मोबाइल में गर्भगृह दर्शन का पास दिखाया। ड्यूटी पर तैनात निजी सुरक्षा कंपनी के सुरक्षा अधिकारी मनोजकरण राजपूत को पास देखकर संदेह हुआ। उन्होंने मंदिर समिति के संगणक संचालक से पास का क्यूआर कोड स्कैन कराया। जांच में सामने आया कि मूल शीघ्र दर्शन पास को संपादित कर उस पर ÷गर्भगृह दर्शन÷ लिख दिया गया था। इसके बाद सुरक्षाकर्मी तीनों युवकों को सहायक प्रशासक शिवकांत पांडेय के पास ले गए।

ट्रेन में मिले युवक ने दिया था झांसा- पूछताछ में भरत उइके ने बताया कि ट्रेन यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात एक युवक से हुई थी। उसने दावा किया कि वह गर्भगृह दर्शन का पास बनवा सकता है। उसने पहले शीघ्र दर्शन पास की फोटो मोबाइल में ली और फिर चैटजीपीटी की मदद से उसे संपादित कर गर्भगृह दर्शन का पास तैयार कर दिया। युवक ने भरोसा दिलाया था कि इस पास के जरिए वे विशेष व्यवस्था की तरह सीधे गर्भगृह तक पहुंच जाएंगे।

क्यूआर कोड ने खोल दी सच्चाई- फर्जी पास में क्यूआर कोड के साथ दर्शनार्थी की फोटो, नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, दर्शन की तिथि, समय, लेनदेन क्रमांक, पंजीयन क्रमांक, राज्य, शहर और प्रवेश द्वार संख्या जैसी सभी जानकारियां दर्ज थीं। पहली नजर में पास असली जैसा दिखाई दे रहा था, लेकिन क्यूआर कोड स्कैन करते ही उसकी सच्चाई सामने आ गई।

मंदिर समिति ने पुलिस को सौंपा- मंदिर समिति के कर्मचारी कुलदीप सिंह ने बताया कि फर्जी पास बनाकर मंदिर पहुंचे तीनों युवकों को शिकायत आवेदन के साथ महाकाल थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि फर्जी पास तैयार करने वाला युवक कौन है और उसने इस तरह के कितने पास बनाए हैं।

लापता छात्रों के शव विद्यालय के पास तालाब में मिले

रातभर से चल रही थी तलाश, लोगों की सूचना पर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घट्टिया क्षेत्र के जवाहर नवोदय विद्यालय से सोमवार के शाम लापता हुए दो छात्रों के शव मंगलवार को विद्यालय के पास तालाब से मिलने के बाद सनसनी फैल गई। पुलिस ने दोनों का पोस्टमार्टम कराया है विद्यालय प्रबंधन द्वारा दोनों के लापता होने की जांच की जा रही है।

घट्टिया थाना पुलिस ने बताया कि सोमवार रात 9 बजे के लगभग जवाहर नवोदय विद्यालय में अध्ययन करने वाले कक्षा दसवीं के छात्र का प्रज्ञान विमल 15 साल और कक्षा नवी के छात्र रोशन बरेठा 14 साल के लापता होने की सूचना मिली थी। रात में ही दोनों की तलाश शुरू की गई लेकिन सुबह तक कुछ पता नहीं चल पाया। इस बीच मंगलवार सुबह 7 बजे के लगभग खबर सामने आई की विद्यालय के पास ही तालाब में एक छात्र प्रज्ञान का शव दिखाई दिया है। पुलिस तत्काल पहुंची और छात्र के शव को बाहर निकाला वहीं दूसरे डूबने की आशंका में होमगार्ड की एनडीआरएफ टीम को बुलाया गया। तालाब में सर्चिंग शुरू की गई 11:30 बजे के लगभग दूसरे छात्र रोशन का शव भी बाहर निकाल लिया गया। छात्रों के डूबने की खबर से विद्यालय में हड़कंप मच गया था। पुलिस ने बताया कि प्रज्ञान मूल रूप से भिंड का रहने वाला था रोशन देवास जिले का निवासी था। प्रज्ञान के पिता विद्यालय में ही मैस कर्मी है। रोशन की बहन भी विद्यालय में पढ़ाती है।

विद्यालय प्रशासन की लापरवाही आई सामने- दर्दनाक हादसे ने नवोदय विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक मुस्तैदी की पोल खोलकर रख दी है। एक सुरक्षित और पूर्णतः आवासीय परिसर से दो नाबालिग छात्र आधी रात को सुरक्षाकर्मियों और वार्डन की नजरों से बचकर बाहर कैसे निकल गए? यह एक बड़ा और यक्ष प्रश्न बना हुआ है। स्थानीय लोगों और परिजनों का आरोप है कि हॉस्टल में रात्रि अटेंडेंस (नाइट रोल कॉल) और कैंपस की बाउंड्री वॉल की सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरती गई है। अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने और जांच पूरी होने के बाद विद्यालय प्रबंधन के जिम्मेदार कर्मचारियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तीन बहनो में अकेला भाई था प्रज्ञान - मृतक प्रज्ञान तीन बहनो का अकेला भाई था। उसके माता पिता भी नहीं है। पिता की जगह बड़ी बहन की नौकरी नवोदय विद्यालय में लगी थी। उसी के पास रहकर वो पढ़ाई कर रहा था। भाई की मौत की खबर सुनकर बहन का रो रो कर बुरा हाल है।

महिला से अनैतिक कार्य करने वाला युवक गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किराए से इंगोरिया में रहने वाली महिला के साथ उज्जैन के युवक ने घर में घुसकर अनैतिक कार्य किया और धमकी देकर भाग निकला। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। युवती पूर्व में युवक के खिलाफ नीलगंगा थाना पुलिस को भी शिकायत दर्ज कर चुकी थी।

इंगोरिया थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि यहां किराए से रहने वाली महिला ने 12 जून को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके घर में नीलगंगा चौराहा उज्जैन का रहने वाला अर्जुन पिता नरेंद्र जबरदस्ती घर में घुस आया था और उसके द्वारा अनैतिक कार्य किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज किया और अर्जुन की तलाश शुरू की और 12 घंटे बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। थाना प्रभारी के अनुसार युवक महिला से पूर्व में परिचित था। महिला भी उज्जैन की रहने वाली है साल भर से इंगोरिया में निवास कर रही है। महिला द्वारा उक्त युवक की पूर्व में नीलगंगा थाना पुलिस ने भी शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। फिलहाल युवक द्वारा किए गए अनैतिक कार्य के चलते उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

जनसुनवाई में 181 आवेदको ने दिए आवेदन, सीईओ जिला पंचायत ने की जनसुनवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयेजन किया गया। कलेक?टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट ने जनसमस?या से संबंधित आवेदन लिए एवं संबंधित विभाग प्रमुखों को प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में बड़नगर निवासी संगीता ने आवेदन दिया कि ग्राम झितरखेड़ी में उनकी पैतृक कृषि भूमि थी। उनके परिवार के कुछ लोगों द्वारा छलपूर्वक जमीन का बंटवारा किया गया है तथा अपने नाम फर्जी तरीके से नामांतरण करवा लिया गया है। अतः इसे निरस्त किया जाए। आवेदन पर एसडीएम राजस्व घट्टिया को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

बड़नगर निवासी गजेन्द्र यादव ने आवेदन दिया कि ग्राम भेसलाकला में उनके स्वामित्व की कृषि भूमि के बंटवारा आवेदन किए जाने के पश्चात अभी तक जमीन का बंटवारा नहीं किया गया है। आवेदन पर तहसीलदार बड़नगर को जांच कर शीघ्र-अतिशीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

माकड़ौन निवासी देवीलाल ने आवेदन दिया कि उनकी कृषि भूमि पर आवागमन के मुख्य मार्ग पर गांव के कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया गया है तथा मार्ग अवरुद्ध कर लिया गया है।

इस वजह से उन्हें आवागमन में बहुत असुविधा हो रही है तथा कृषि कार्य करने में भी बहुत परेशानी आ रही है। इस वजह से उनकी फसल को भी काफी क्षति पहुंची है। आवेदन पर तहसीलदार माकड़ौन को मामले की जांच कर

चोरी की बाइक से शराब का परिवहन करने वाला गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाइक से अवैध शराब का परिवहन कर रहे बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया और बाइक बरामद कर जांच शुरू की गई तो बाइक चोरी की होना सामने आई। पुलिस ने अवैध शराब के साथ चोरी का मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

बिरला ग्राम थाना पुलिस ने बताया कि मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना ग्राम टकरावदा-पारदी के कच्चे मार्ग पर घेराबंदी कर श्रवण पिता मांगीलाल 30 वर्ष, निवासी ग्राम पारदी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 5 लीटर हाथ भट्टी निर्मित महुआ शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर की होंडा मोटरसाइकिल जब्त की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने मोटरसाइकिल दिनांक 11 जुलाई को ग्राम पारदी से चोरी करना स्वीकार किया। जांच में मोटरसाइकिल थाना बिरलाग्राम के अपराध क्रमांक 206/2026, धारा 303(2) बी.एन.एस. में चोरी की होना पाई गई। इस पर आरोपी को उक्त प्रकरण में भी विधिवत गिरफ्तार किया गया। अवैध शराब के संबंध में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 207/2026, धारा 49(ए) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना बिरलाग्राम में पूर्व से 16 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

'स्टॉप डायरिया कैम्पेन' सह दस्तक अभियान का जिला स्तर पर शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में स्टॉप डायरिया कैम्पेन सह दस्तक अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ मंगलवार को जिला चिकित्सालय के चरक भवन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाई गई तथा ओआरएस के पैकेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ब्रजेश त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जितेन्द्र राजपूत, जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुनीता परमार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रविन्द्र कुमार पाल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिता भिलवार, डॉ. यू.पी.एस. मालवीय, अस्पताल प्रबंधक हिमांगी चौहान सहित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि प्रदेश में यह अभियान 14 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों में डायरिया, गंभीर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, निर्जलीकरण एवं अन्य संक्रमणों की समय पर पहचान कर उनका त्वरित उपचार एवं आवश्यकता पड़ने पर रेफरल सुनिश्चित करना है। अभियान की थीम डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान रखी गई है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त दल, जिसमें एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल हैं, घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। इस दौरान विटामिन-ए की खुराक, ओआरएस के पैकेट एवं जिंक टैबलेट का वितरण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
(खरीफ 2026)
अपनी अधिसूचित फसल का बीमा
31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं
प्रिय किसान भाइयो एवं बहनो,
वर्ष 2026 में एल-नीनो (El Niño) के संभावित प्रभाव से वर्षा में अनियमितता एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें।
फसल बीमा प्राकृतिक आपदा, सूखा, अतिवृष्टि एवं अन्य मौसम जनित जोखिमों से होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा प्रदान करता है।
अंतिम तिथि का इंतज़ार न करें
आज ही निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केन्द्र, फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा ऐप एवं अधिकृत बीमा कंपनी के मध्यस्थ के माध्यम से फसल बीमा कराएं।
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
मध्यप्रदेश शासन
D11060/26
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026